www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

दैनिक हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित

अनोखा तीर

निशाने पर हर खबर

21 मार्च 2026
हरदा, शनिवार
वर्ष-15, अंक - 280, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
चैत्र शुक्ल पक्ष - 3
विक्रम संवत् 2082

6 सरकारी बाबुओं ने 7 साल तक उड़ाए करोड़ों रुपए

लिस्ट में बीवी-बच्चों के नाम देख पुलिस भी दंग

अनोखा तीर, जबलपुर ।

पनागर के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पिछले 7 सालों से कलम के जादूगरों ने ऐसा खेल खेला कि सरकारी खजाने से सीधे 1 करोड़ 11 लाख 45 हजार 914 रुपए गायब कर दिए। यह कोई छोटी-मोटी चोरी नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर की गई सुनियोजित डकैती है। मामला तब खुला जब भोपाल मुख्यालय से आई डाटा रिपोर्ट ने गड़बड़ी के संकेत दिए, जिसके बाद जबलपुर कलेक्टर ने 9 सदस्यीय स्पेशल कमेटी बैठा दी।

फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड नेटवर्क

इस पूरे घोटाले में 6 सरकारी कर्मचारी और 8 उनके मददगार शामिल थे। इनमें से कुछ तो रिटायर होकर घर भी बैठ चुके थे, उन्हें लगा था कि फाइलें दब गई हैं, लेकिन कानून के हाथ उन तक पहुंच ही गए। जांच कमेटी ने हर एक ट्रांजैक्शन का बारीकी से मिलान किया है। यह शासकीय राशि का सीधा गबन है, जिसमें सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई। सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

साहबों ने परिवार को बनाया

जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ, वो ये कि इन सरकारी कर्मचारियों ने किसी अनजान को नहीं, बल्कि अपने ही घर वालों को फायदा पहुंचाया। ट्रेजरी के सॉफ्टवेयर में फर्जी वेंडर बनाए गए और बैंक अकाउंट की डिटेल्स बदल दी गई। विजय कुमार भलावी नाम के कर्मचारी ने तो हद ही कर दी। उसने अपनी पत्नी, तीन बेटियों और अन्य रिश्तेदारों के खातों में सरकारी राशि ट्रांसफर करवा दी।

- **सॉफ्टवेयर में सेंधमारी का तरीका**– आरोपियों ने ट्रेजरी के ऑनलाइन सिस्टम में सेंध लगाने के लिए फेक आईडी और फेक वेंडर का सहारा लिया। जो पैसा स्कूलों के विकास या शिक्षकों के कल्याण के लिए था, उसे फर्जी बिलों के जरिए निजी बैंक खातों में डाल दिया गया। इसमें एक पूर्व अतिथि शिक्षक और कुछ अन्य बाहरी लोगों के खातों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया।

आनंद की सुखानुभूति, खरीद नहीं सकते : सीएम

- दूजे के सुख में भी स्व का आनंद ढूंढना है भारतीय संस्कृति की चेतना का आधार
- मुख्यमंत्री ने आनंदोत्सव के विजेताओं को किया पुरस्कृत

अनोखा तीर, भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय

संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में श्री मिलिंद कुमार को प्रथम, श्री शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया। वीडियोग्राफी विधा में श्री सैयद अफजान को प्रथम, श्री राजा खान को द्वितीय एवं श्री जीवन रजक को तृतीय पुरस्कार दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें, यही सनातन संस्कृति की चेतना का आधार है। हम सभी को अपने कार्यों को पूरे आनंद, उत्साह और दक्षता के साथ संपादित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आनंद के आयाम, हमारे सुख और दुःख के बीच के अंतर को समझने से पता चलते हैं।

आदिकाल से भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है, जिसमें परिवार की धारणा को विशेष महत्व दिया गया है। वर्ष 1956 के विश्व हिंदू सम्मेलन में मार्गेट थेचर ने भारत और इंग्लैंड की संस्कृति का मूल अंतर सबको समझाया था। उन्होंने कहा था कि भारतीय परिवारों की व्यवस्था में अगर कोई एक सदस्य भी कमाई करता है तो पूरा परिवार आनंद और सम्मान के साथ जीवन जीता है। यह दुनिया में सिर्फ भारत में ही संभव है।

मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान सदियों तक रहेगा अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री

अनोखा तीर, भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वीरांगनाओं की धरती है। रानी दुर्गावती से लेकर रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई तक हमारी लोकनायिकाओं और वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई ने जो बलिदान दिया, वह सदियों-सदियों तक अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर डिंडोरी जिले में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी अवंतीबाई के अटल साहस और अमर त्याग को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित भव्य संग्रहालय का लोकार्पण भी

- **रानी अवंतीबाई की स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रूपए से निर्मित संग्रहालय का किया लोकार्पण**

किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय हमें रानी अवंतीबाई के बल और बलिदान की याद दिलाता रहेगा। इस संग्रहालय में उनकी फोटो गैलरी और उनके शस्त्र हमारी आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ते हुए अपने नायकों के पराक्रम को भी याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रानी अवंतीबाई का जन्म तत्कालीन सिओनी (वर्तमान सिवनी) जिले के मनकेहणी गांव में हुआ था।

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ भव्य आयोजन
- पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

अनोखा तीर, भोपाल ।

विक्रमोत्सव-2026-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्ष प्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-

2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की।

उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

'बाथरूम से आ रही हूं', घर का 'खजाना' लेकर रात एक बजे हो गई दुल्हन गायब

हाथ मलता रह गया दूल्हा

टीकमगढ़ (एजेंसी)। जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में शादी के कुछ दिनों बाद ससुराल से एक दुल्हन भाग गई है। वह सोने-चांदी के गहने के साथ अन्य कीमती सामानों को लेकर गई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

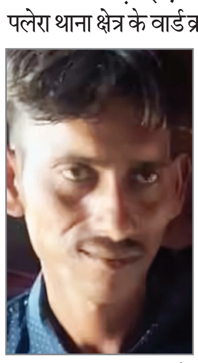

मंगलसूत्र समेत अन्य गहने ले गए– पीड़ित परिवार का आरोप है कि दुल्हन अपने साथ मंगलसूत्र, चांदी की पायल, नाक-कान के सोने के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान भी ले गई है। इतना ही नहीं, घर में रखी मोटरसाइकिल की चाबी भी अपने साथ ले जाने की बात सामने आई है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि घटना पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई है।

कुछ दिन पहले हुई थी शादी

जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक-1 निवासी पुरुषोत्तम जायसवाल (26) की शादी सासाराम निवासी संध्या कुमारी (21) से कुछ दिन पहले ही संपन्न हुई थी। पीड़ित के मुताबिक, रात करीब 1 बजे दुल्हन ने बाथरूम जाने की बात कहकर कमरे से बाहर निकली, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। जब परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने घर के आसपास तलाश शुरू की।

शादी के लिए दो लाख

पुरुषोत्तम जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया है कि इस विवाह को कराने वाले बिचौलियों ने शादी के एवज में करीब 2 लाख रुपए लिए थे। अब घटना के बाद बिचौलियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। पीड़ित ने पूरे मामले की लिखित शिकायत पलेरा थाने में दर्ज कराई है।

दुल्हन की तलाश कर रही पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। थाना पलेरा पुलिस का कहना है कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फरार दुल्हन और संबंधित बिचौलियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई है।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में लगातार गिरते लिंगानुपात के चलते बाहरी राज्यों से विवाह कराने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे मामलों में कई बार धोखाधड़ी और ठगी की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है और जल्द ही मामले के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप

बड़वानी जिला जज को तमिल भाषा में मिला मेल

अनोखा तीर, बड़वानी ।

मध्य प्रदेश में इन दिनों बम धमकियों की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय बड़वानी में उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब ईमेल के जरिए बम होने की धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। जिला जज को तमिल भाषा में अज्ञात आईडी से मेल भेजा गया था। एसपी को करीब 12 बजे इसकी सूचना दी गई थी।

सूचना मिलते ही न्यायालय परिसर से करीब 150 मीटर दूर स्थित कोतवाली थाना बड़वानी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और

सुरक्षा की दृष्टि से पूरे न्यायालय परिसर को खाली कराया गया।

कोर्ट परिसर में मौजूद सभी कोर्ट रूम, अधिवक्ता चैंबर और आसपास की दुकानों को एहतियातन बंद करवा दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पदम विलोचन शुक्ला, धीरज बब्बर, बलजीत सिंह बिसेन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तत्काल डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया, वहीं खरगोन से बम डिस्पोजल स्क्वॉड को भी अलर्ट कर रवाना किया गया है।

'जजों के केबिन में हैं 15 जहरीली गैस के बम'

दोपहर में सबको उड़ा देंगे, सतना और मैहर कोर्ट में मेल से आई धमकी

सतना (नप्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिला न्यायालय को शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज धमकी भरा ईमेल मिला, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। Gayathri_shabaz@hotmail.com नाम की आईडी से आए इस मेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर और जजों के केबिन में 15 जहरीली गैस के बम लगाए गए हैं, जिनमें दोपहर 1 बजे विस्फोट होगा।

मेल से आई है धमकी– जानकारी के अनुसार, यह मेल गुरुवार शाम को ही अदालत की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हो गया था, लेकिन शुक्रवार सुबह जब इसे देखा गया तो न्यायपालिका और प्रशासन में खलबली मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तुरंत सतना कलेक्टर और एसपी को मोर्चा संभालने के निर्देश दिए।

छावनी में तब्दील हुआ कोर्ट परिसर– धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल एक्शन मोड में आ गए। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने कोर्ट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। सतना के साथ-साथ मैहर, अमरपाटन और अन्य तहसील न्यायालयों में भी एहतियातन सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जजों के कार्यालयों से लेकर पार्किंग और कैंटीन तक, हर संदिग्ध वस्तु की जांच की गई।

प्रदेश के 42 जिलों में बारिश, 13 में ओले गिरे

- कई जगह फसलें बर्बाद, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बदला मौसम

अनोखा तीर, भोपाल ।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी था, जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ा डोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा।

इधर, 13 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। शिवपुरी, आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

आगर में 74 किमी की रफ्तार से चली हवा

तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। आगर-मालवा में सबसे तेज 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली, जबकि सीहोर में 54 किमी, बड़वानी और नरसिंहपुर में 46 किमी, आलीराजपुर में 43 किमी की रफ्तार दर्ज की गई। भोपाल, सागर, इंदौर और जबलपुर समेत कई शहरों में 35 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

चार साल से अटका ग्वालियर-बैतूल एनएच मार्ग अब बनेगा

- हाईकोर्ट के आदेश के बाद रुका था काम, 21 किमी एरिया वाइल्डलाइफ के दायरे में था

अनोखा तीर, भोपाल ।

वन्यजीवों के एरिया से होकर गुजरने वाले और ग्वालियर से बैतूल को जोड़ने वाला 634 किमी लंबा नेशनल हाईवे अब जल्द पूरा हो सकेगा। हाईकोर्ट ने चार साल पहले इसे वन्यजीवों के लिए असुरक्षित बताते हुए काम रोकने का आदेश दिया था। वाइल्डलाइफ बोर्ड और केंद्र सरकार से जरूरी परमिशन मिलने के बाद ही काम चालू करने के आदेश दिए थे। अब सारी परमिशन मिलने के बाद काम शुरू किया जाने वाला है। यह निर्माण इस मार्ग के बरेठा घाट सेक्शन पर 20.9 किमी में निर्माण कार्य परमिशन के चलते शुरू होगा। यह मार्ग भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भी एक हिस्सा है, जो बैतूल होते हुए गुजरता है।

इस परियोजना के अंतर्गत बैतूल तक के अधिकांश खंडों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 21 किलोमीटर का एक भाग शेष रह गया था, जिसमें केसला रेंज, भौंरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित हैं। ये सभी खंड वन्यजीवों के मूवमेंट खासतौर पर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के चलते संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं।

प्रेमानंद महाराज के दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

वृंदावन में राधे-राधे!

● गुलाबी साड़ी में नजर आया सादगी भरा अंदाज, परिवार रहा साथ

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह संत प्रेमानंद से मुलाकात कर उनसे आध्यात्मिक चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। गुरुवार को अयोध्या में दर्शन-पूजन के बाद वह मथुरा पहुंचीं जहां उन्होंने मंदिरों में पूजा-अर्चना की और कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। शुक्रवार सुबह उन्होंने आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की। राष्ट्रपति राधा केली कुंज स्थित संत

प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने। यह सप्ताह इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरुवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था। आश्रम में राष्ट्रपति ने संत से आध्यात्मिक चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने प्रसन्न मुद्रा में 'राधे-राधे' कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी। राष्ट्रपति मुर्मू और प्रेमानंद महाराज जी के बीच एकांत में चर्चा भी हुई। इस दौरान खासतौर पर समाज सेवा, जनकल्याण जैसे जरूरी मुद्दों पर बातचीत हुई।

तृतीय मां चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरूप का नाम मां चन्द्रघण्टा है।'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया ने दिल्ली से कनाडा के लिए भेजा 'गलत' बोइंग

● बी 777 नौ घंटे हवा में तैरते रहने के बाद चीन से लौटा वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के एक विमान को वैंकूवर पहुंचने से पहले ही लगभग नौ घंटे की उड़ान के बाद दिल्ली लौटना पड़ा। अगर आप सोच रहे हैं कि उसे ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से लौटना पड़ा तो आप गलत हैं। वह पूर्वी रास्ते

से जा रहा था, न कि खाड़ी युद्ध क्षेत्र वाले। उसके लौटने का कारण थोड़ा अजीब है। जिस प्लेन को कनाडा में एंट्री की मंजूरी नहीं थी, एयर इंडिया ने उस विमान को रवाना किया था। विमान यात्रियों को लेकर उड़ा, लेकिन कनाडा पहुंचने से पहले ही उसे वापस लौटना पड़ा। दरअसल, एयर इंडिया के पास कनाडा के लिए अपने बोइंग 777-300 एक्सटेंडेड रेंज बेड़े को संचालित करने की मंजूरी है, न कि बी 777-200 लॉन्ग रेंज को।

सरकार ने 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक किए

● इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य

रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर गेम्स), पी-टू-पी बेटिंग एक्सचेंज, सट्टा/मटका नेटवर्क और रियल मनी कार्ड एप्स शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई में तेजी आई है।

छत्तीसगढ़ में जबरन धर्मांतरण पर अब आजीवन कारावास

● विधेयक हो गया है पास, सदन में गूंजे 'जय श्रीराम' के नारे

रायपुर (एजेंसी)। विधानसभा ने राज्य में अवैध मतांतरण की चुनौतियों से निपटने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026 को गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके तहत अब बलपूर्वक, प्रलोभन या धोखाधड़ी से कराए जाने वाले सामूहिक मतांतरण के दोषियों को आजीवन कारावास तक की कठोर सजा भुगतनी होगी। इस नए कानून में विशेष रूप से महिलाओं, नाबालिगों, अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों के साथ होने वाले अवैध मतांतरण के मामलों में 20 वर्ष तक की कैद का सख्त प्रविधान किया गया है। साथ ही डिजिटल माध्यमों से दिए जाने वाले प्रलोभन को भी अपराध की श्रेणी में शामिल कर सभी संबंधित अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया गया है। छह अध्यायों और 31 बिंदुओं में विस्तृत इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें पैतृक धर्म में वापसी को मतांतरण के दायरे से बाहर रखा गया है और इन गंभीर मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में विशेष सत्र न्यायालय गठित करने का निर्णय लिया है।

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी

...लेकिन हालात चिंताजनक

● सरकार ने कहा-देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है लेकिन संकट बरकरार

● बताया-हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, 7500 कंज्यूमर पीएनजी पर शिफ्ट हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं।

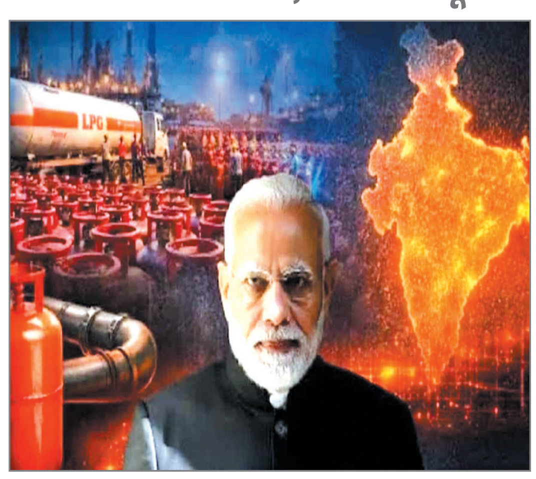

● पीएम मोदी ने 5 देशों के नेताओं से की बात - विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इस दौरान वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का पक्ष रखा। सभी नेताओं ने स्टेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षित आवाजाही के समर्थन की बात दोहराई।

सप्लाई संकट की वजह होर्मुज स्ट्रेट का लगभग बंद होना

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर संयुक्त हमला किया, जिसमें कई सैन्य और परमाणु ठिकाने निशाना बने। इस ऑपरेशन में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्टेट ऑफ होर्मुज में तनाव और आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है और 60 फीसदी से ज्यादा एलपीजी बाहर से आती है। इसी के कारण भारत में एलपीजी किल्लत जैसे हालत बने लेकिन सरकार ने अफवाहों से बचने की अपील की।

युद्ध स्वार्थी हितों और वर्चस्व की चाहत का है नतीजा:भागवत

● संघ चीफ बोले-दुनिया के कई देशों को भरोसा-ईरान-इजराइल जंग भारत ही खत्म करा सकता है

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की चाहत है। स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म को मानने से ही हासिल की जा सकती है। भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- पिछले 2,000 साल से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई प्रयोग किए हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली है। संघ चीफ ने यह भी कहा कि भारत का स्वभाव ही ऐसा है जो सद्भाव में विश्वास रखता है। यही कारण है कि पूरी दुनिया से यह आवाज उठ रही है कि भारत ही ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करा सकता है।

● **जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच की भावनाएं आज भी मौजूद-** धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच-नीच की भावनाएं आज भी मौजूद हैं। भारत का प्राचीन ज्ञान हमें सिखाता है कि सभी आपस में जुड़े हुए हैं और एक हैं। धर्म केवल शास्त्रों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोगों के व्यवहार में भी झलकना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए लगातार अभ्यास जरूरी है और इसमें अक्सर निजी परेशानियां भी आती हैं। भागवत ने संघ को 86 संभागों में बांटने की बात कही, लेकिन तरीका नहीं बदलेगा। नागपुर में एक मराठी अखबार के 100 साल पूरे होने पर गुरुवार को भागवत ने बताया कि स्वयंसेवकों को मजबूत बनाने और काम बेहतर करने के लिए संगठन में बदलाव किए गए हैं।

ईरान युद्ध के बीच 2.35 रुपए महंगा हुआ प्रीमियम पेट्रोल

इंडस्ट्रियल डीजल में 22 रुपए की बढ़ोतरी, दिखने लगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखने लगा है। एलपीजी के बाद अब देश में पेट्रोल की कीमत में भी बढ़ोतरी हो गई है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी आज से लागू हो गई है।

बीपीसीएल ने स्पीड, एचपीसीएल ने पावर और आईओसीएल ने एक्सपी95 में 2.09 रुपये से लेकर 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि फिलहाल रेगुलर पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में 22 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसे 87.67 प्रति लीटर से बढ़ाकर 109.59 प्रति लीटर कर दिया है। माना जा रहा है कि इस

बढ़ोतरी से औद्योगिक सेक्टर, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट कॉस्ट पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने की आशंका है।

बिहार के तालाब से प्रकट हुए काले श्रीकृष्ण!

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से सटे मसौढ़ी में आस्था और रहस्य का एक अनोखा संगम देखने को मिल रहा। वार्ड संख्या 32 स्थित राजा बिगहा में गुरुवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब चैती छठ की तैयारियों के लिए तालाब की खुदाई कर रहे ग्रामीणों को जमीन के भीतर से भगवान श्रीकृष्ण की एक अत्यंत प्राचीन और भव्य काली प्रतिमा प्राप्त हुई। मूर्ति के मिलते ही पूरे इलाके में जयकारे गूंजने लगे और देखते ही देखते वहां श्रद्धालुओं का तांता लग गया। हालांकि, इस खुशी के बीच छाता गांव के ठाकुरबाड़ी मंदिर से हुई करोड़ों की मूर्तियों की चोरी का गम भी क्षेत्र में बरकरार है, जिसका सुराग नहीं लगा पाई है।

एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने 1700 देंगे

● बंगाल के लोगों लिए ममता का ऐलान, बाकी को 1500 मिलेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि 500-500 रुपए बढ़ाने का वादा किया है। मेनिफेस्टो के मुताबिक, अगर ममता की सरकार बनी तो बंगाल में जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने ?1500 मिलेंगे। अभी बंगाल सरकार जनरल कैटेगरी की महिलाओं को 1000 हर महीने देती है। वहीं एससी/एसटी

महिलाओं को 1700 प्रति माह दिया जाएगा। अभी एससी/एसटी महिलाओं को 1200 रुपए मिलते हैं।

ममता बनर्जी की 10 बड़ी प्रतिज्ञाएं- टीएमसी ने महिलाओं को मिलने वाली लक्ष्मी भंडार योजना में 500 रुपये की बढ़ोतरी का वादा किया है। पहले इस योजना में जनरल कैटिगरी की महिलाओं को 1000 रुपये और एससी एसटी को 1200 रुपये हर महीने मिलते हैं। अब 1500 और 1700 रुपये देने की घोषणा की गई है। बेरोजगार युवाओं को 1,500 प्रति माह मिलेंगे।

तेल, एलपीजी, फर्टिलाइजर... | भर-भरकर आने लगे जहाज, जल्द दूर होगा पश्चिम एशिया संकट

होर्मुज में फंसा भारत तो दुनिया के चार दोस्त बने 'तारणहार'

ब्यूनस आयर्स/मास्को/वॉशिंगटन (एजेंसी)। होर्मुज संकट के बीच भारत ने पश्चिम एशिया में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा है कि यह 'अस्वीकार्य' है। भारत ने कहा है कि इस हमले की वजह से भारत में एलएनजी की भारी कमी हो गई है। इसके अलावा एलपीजी गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से भारतीय जनता बुरी तरह से परेशान है। हाल ही में ईरान ने कतर पर बड़ा हमला किया है जिसमें उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। यही वजह है कि भारत अपनी ऊर्जा

जरूरतों को पूरा करने के लिए दुनिया के कई देशों से मदद लेनी शुरू कर दी है। इस महासंकट की घड़ी में दुनिया के 4 देश भारत की मदद के लिए आगे आए हैं। इस मुश्किल वक्त में रूस, अर्जेन्टीना, जार्डन व अमरीका भारत की मदद के लिए आगे आए हैं।

मुस्लिम देश जॉर्डन ने फर्टिलाइजर में बढ़ाया हाथ

ईरान के हमलों को विफल करने में जुटा खाड़ी का प्रभावशाली मुस्लिम देश जॉर्डन अब भारत की मदद कर रहा है। जॉर्डन भारत को फर्टिलाइजर दे रहा है। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह 2 से गुरुवार को बात की थी। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग से पश्चिम एशिया के ऊर्जा आधारभूत ढांचे पर हमले के बारे में विचार विमर्श किया था। पीएम मोदी ने कहा कि यह हमला निंदनीय है और कहा कि इससे तनाव और भड़केगा। पीएम मोदी ने कहा था कि ऊर्जा बिना किसी रुकावट के आनी चाहिए।

गुजरात में गैस की किल्लत प्रवासी मजदूर गांव लौट रहे

● लोग बोले-सिलेंडर 5 हजार में मिल रहा, फ्लैट में चूल्हा नहीं जला सकते

सूरत (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी है। इसका असर भारत पर भी नजर आ रहा है। एलपीजी गैस कि कमी से परेशान होकर गुजरात से प्रवासी मजदूरों और गुजरात में रेस्टोरेंट-ढाबा और दूसरे खाने-पीने के स्टॉल चलाने वाले अपने घर वापस लौटने लगे हैं। इनके अलावा गुजरात में रहने वाले यूपी-बिहार के हजारों स्टूडेंट्स को अपने घर लौट रहे हैं। सूरत में राज्य के अन्य रेलवे स्टेशन पर प्रवासियों की भीड़ नजर आ रही है। लोगों ने बताया कि छोटे सिलेंडर के लिए पहले गैस 100 किलो मिलती थी, लेकिन अब 300-400 किलो मिल रही है। घरेलू सिलेंडर के रेट 5 हजार पहुंच गए हैं। फ्लैट में चूल्हा जलाने पर मनाही है। ऐसे में हम लोगों के सामने भूखा मरने की नौबत आ गई है। टेक्सटाइल और डायमंड हब होने के चलते सूरत में लाखों की संख्या में श्रमिक रहते हैं।

जल संरक्षण अभियान अंतर्गत बावड़ी पर किया सफाई कार्य

अनोखा तीर, हरदा। म.प्र. जन अभियान परिषद् विकासखण्ड हरदा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत वार्ड 35 उड़ा में 500 साल पुरानी बावड़ी, श्री कालू बाबा समाधि परिसर में जल स्रोतों के संरक्षण और साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसमें नवांकुर संस्था, नगर विकास प्रस्फुटन समिति हरदा एवं नवोदय आरोग्यम वेलफेयर के सदस्य प्रहलाद नागवे, दीपांशु सोनी, विजय सेजकर, तरुण शर्मा, सचिन कुशवाहा एवं हरदा विकास खण्ड समन्वयक राकेश वर्मा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पीएम सूर्य घर योजना में मिलेगी करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली

- तीन किलोवॉट के सौर संयन्त्र लगाने पर 78 हजार की सब्सिडी

अनोखा तीर, हरदा। केंद्र सरकार द्वारा देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इसके लिए देशभर के उपभोक्ताओं को इस योजना में शामिल करके पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ने का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ा जा रहा है। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट अथवा उपाय एप, वॉट्सएप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। पीएम सूर्य घर योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली की सुलभता के साथ आर्थिक बचत करवाना शामिल है। इसके साथ ही मिलने वाली सरकारी सब्सिडी का लाभ दिलाकर लोगों को प्रोत्साहित करना है। बता दें कि पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ने पर पर्यावरण के हितों की रक्षा हो सकेगी। इसलिए अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़कर लाभ ले सकते हैं।

भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक संपन्न
स्थापना दिवस मनाया

अनोखा तीर, हरदा। भारतीय किसान संघ जिला हरदा की मासिक बैठक कृषि ऊपज मंडी बलराम सभागृह, हरदा में आयोजित की गई, जिसमें पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। बैठक में प्रांत संगठन मंत्री भरत पटेल उपस्थित रहे और उनके द्वारा बताया गया कि भारतीय किसान संघ की लंबित मांग डॉकेज टेस्टिंग मशीन प्रदेश की सभी मंडियों में शीघ्र लगाने के आदेश जारी हो गए हैं। शीघ्र ही देश

की सभी मंडियों में ऊपज जांचने की मशीन लग जाएगी, जिससे किसान अपनी ऊपज की जांच करा सकेंगे। यह मशीन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी में सहायक होगी। बैठक के पश्चात बलराम चौक पर भारतीय किसान संघ द्वारा स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य रूप से प्रांत संगठन मंत्री भरत पटेल, महिला संयोजिका दीप्ति जाट, जिलाध्यक्ष महेश शर्मा, मंत्री विजय मालगाया, प्रदेश मंत्री योगेंद्र भांभू, नरेंद्र दोगने, ब्रजमोहन राठौर, शैतान सिंह राजपूत, विनोद पाटिल, लोकेश गौर, विष्णु गौर, राजेंद्र बांके, बालकृष्ण मलगाया, हरिओम गौर, दीपचंद नवाद, राजनारायण गौर, विनय यादव, संतोष गौर, राजेश डूडी, मुकेश बांके, नारायण मातवा उपस्थित रहे।

ज्वारे विसर्जन के साथ संपन्न हुआ गणगौर महोत्सव

अनोखा तीर, मसनगांव। नव दिवसीय गणगौर पर्व का समापन ज्वारे विसर्जन के साथ किया गया। अंतिम दिन माता रनुबाई और धनियर राजा की शोभायात्रा गांव में निकाली गई, जहां ग्रामीणों ने अपने घरों पर माता की

पूजा-अर्चना कर भावभीनी विदाई दी। गणगौर परिवार द्वारा सुबह से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की। दोपहर में माता के रथ निकाले गए। ढोल और मंजीरे की धुन पर भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति देते हुए गांव में भ्रमण कराया गया। शाम के समय स्थानीय देदली नदी पर पहुंचकर आरती के पश्चात ज्वारों का विसर्जन किया गया, जिसके साथ ही गणगौर महोत्सव का विधिवत समापन हुआ।

बेमौसम बारिश से सहमे किसान
फसल कटाई का कार्य प्रभावित

अनोखा तीर, मसनगांव।

क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10.30 बजे तेज हवा, आंधी और गरज-चमक के साथ हुई हल्की बारिश ने रबी सीजन की फसल कटाई का कार्य रोक दिया। सुबह से आसमान में बादल छाए रहने के बीच किसानों ने फसल कटाई में तेजी लाने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद कार्य पूरा नहीं हो सका। रात में हुई बारिश से खेतों में खड़ी फसल भीग गई, वहीं खलिहान में रखी उपज और भूसे के ढेरों को तिरपाल से ढंकना पड़ा। मौसम खराब होने के कारण गांव में चल रहा गणगौर उत्सव भी प्रभावित हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि बारिश हल्की होकर थम गई, अन्यथा चना और गेहूं की फसलों को नुकसान हो सकता था।

रोजमर्रा के कामकाज पर पड़ा असर – बिजली बंद रहने से ग्रामीणों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हुए। सुबह पानी के लिए लोगों को हैंडपंप का सहारा लेना पड़ा, वहीं खेतों में चल रही मोटर बंद होने से सिंचाई कार्य भी प्रभावित हुआ। लगातार बिजली कटौती और फाल्ट की समस्या से किसान और ग्रामीण दोनों ही परेशान नजर आए।

33 केवी लाइन में फाल्ट से बिजली आपूर्ति बाधित

रात में तेज हवा और आंधी के कारण 33 केवी लाइन में फाल्ट आने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जो शुक्रवार दोपहर करीब 2.30 बजे बहाल हो सकी। इस दौरान ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में बितानी पड़ी। गर्मी के मौसम में पंखे-कूलर बंद रहने से लोग परेशान रहे। दोपहर में बिजली आने के बाद शाम 6 बजे फिर से आपूर्ति बंद हो गई, जो रात 7.30 बजे तक भी बहाल नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निर्धारित समय पर बिजली दिए जाने के बावजूद बार-बार फाल्ट आने से आपूर्ति बाधित हो रही है। ट्रिपिंग की समस्या के कारण मोटर पंप भी ठीक से नहीं चल पा रहे हैं, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी सुनील टाडोले के अनुसार, रात में 33 केवी लाइन में फाल्ट आने से सुबह तक बिजली बंद रही। बाद में फाल्ट सुधारने के बावजूद काकरिया सब स्टेशन के ट्रांसफार्मर ने लोड नहीं लिया, जिसके कारण आपूर्ति सुचारू नहीं हो सकी। हरदा से टीम आने के बाद सुधार कार्य पूरा हुआ और दोपहर 2.30 बजे बिजली चालू की गई, लेकिन शाम के समय फिर से आपूर्ति बाधित हो गई।

होली मिलन, सम्मान समारोह व साहित्य गोष्ठी आयोजित

अनोखा तीर, हरदा। रविवार 22 मार्च दोपहर 3 बजे मध्यप्रदेश लेखक संघ जिला इकाई हरदा एवं समाचार समूह पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में मासिक साहित्य गोष्ठी, होली मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संस्था के वरिष्ठ संरक्षक दादा गौरीशंकर मुकाती के मुख्य आतिथ्य में रेलवे स्टेशन रोड स्थित उनके कार्यालय में आयोजित होगा। इसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के संरक्षक-द्वय साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. प्रभुशंकर शुक्ल तथा वरिष्ठ समाजसेवी व साहित्यप्रेमी नार्मदीय गौरव अशोक नेगी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रमके दौरान संस्था के आजीवन सदस्य एवं मार्गदर्शक एडवोकेट डॉ. शिरीष अग्रवाल, जिन्हें हाल ही में प्रतिष्ठित इंडिया बुक रिकॉर्ड्स द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है, का सम्मान किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान व जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

अनोखा तीर, हरदा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए 19 मार्च से 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। यह अभियान 19 मार्च गुड़ी पड़वा से शुरू होकर 30 जून 2026 तक जारी रहेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की नदियों, तालाबों, कुओं और अन्य प्राचीन जल संरचनाओं का संरक्षण व संवर्धन करना है। जिले में इस अभियान का शुभारंभ गुरुवार को हरदा शहर स्थित अजनाल नदी के तट पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों ने श्रमदान कर किया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत चिकलपाट में गुरूवार को 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' का विधिवत शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत भवन चिकलपाट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य प्रारंभ किया गया, ग्रामीणों व उपस्थित जनों द्वारा श्रमदान तथा साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्य किए गए। कार्यक्रम में ग्रामीणों की सहभागिता से जल संचय एवं जल बचाओ के लिए जागरूकता रैली निकाली गई, ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती झल्लोबाई पालवी, पंचगण सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खिरकिया संजय इवने, एपीओ मनरेगा आशीष यादव, क्लस्टर उपयंत्री रेखा मंडलोई, सचिव ाी लेखराम पाटिल, ग्राम रोजगार सहायक संतोष धुर्वे एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे। उपस्थितजनों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया तथा ग्रामवासियों से अपील की कि वे जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि भविष्य में जल संकट से बचा जा सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधन सुरक्षित रह सकें।

एलटीटी-बनारस-एलटीटी के मध्य द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, इटारसी

-रानी कमलापति एवं बीना में ठहराव

अनोखा तीर, भोपाल। रेलवे द्वारा आगामी समर में यात्रियों की सुविधा एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 01073/01074 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 01073 एलटीटी से बनारस स्पेशल ट्रेन 01 अप्रैल से 09 अप्रैल 2026 तक (4 ट्रिप) तथा 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक (6 ट्रिप) द्वि-साप्ताहिक (बुधवार एवं गुरुवार) दोपहर 12: 15 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान कर इटारसी रात्रि 23: 45 बजे, अगले दिन रानी कमलापति 01: 10 बजे, बीना सुबह 07: 55 बजे पहुंचकर रात्रि 23: 30 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01074 बनारस से एलटीटी स्पेशल ट्रेन 03 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक (4 ट्रिप) तथा 17 अप्रैल से 02 मई 2026 तक (6 ट्रिप) द्वि-साप्ताहिक (शुक्रवार एवं शनिवार) प्रातः 05: 30 बजे बनारस से प्रस्थान कर बीना रात 22: 25 बजे, अगले दिन रानी कमलापति 01: 05 बजे, इटारसी 02: 40 बजे पहुंचकर शाम 16: 40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 09 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे। ट्रेन दोनों दिशाओं में ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, गोविंदपुरी, फतेहपुर एवं सूबेदारगंज (प्रयागराज) स्टेशनों पर रुकेगी।

उप सरपंच ने किया रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। नगर के मुसलमानी मोहल्ले में शुक्रवार को रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन हुआ। यह आयोजन ग्राम के उपसरपंच धर्मेंद्र पटेल द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने शामिल होकर रोजा इफ्तार किया। इस अवसर पर अभिलाष चन्देल, आदित्य पलिया, टिल्लू डेरिया, संजय गिल्ला, हरगोबिन्द पुरविया, प्रेमनारायण कुशवाह, देवेन्द्र ओमकारी, राजेश नायक, राजकुमार पटेल, मदन चौहान, माखन सिंह परिहार, उपसरपंच धर्मेंद्र पटेल रोजा इफ्तार में शामिल हुए।

कांग्रेस नेता ने किया आयोजन– नगर के कांग्रेस नेता रामबाबू अग्रवाल द्वारा शुक्रवार को स्थानीय मुस्लिम समाज के लिए रमजान के पवित्र महीने में रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मप्र कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजकुमार केलू उपाध्याय, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय बाबू चौधरी, किसान नेता पुष्पराज सिंह पटेल एवं स्थानीय कांग्रेस नेतागण क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंडर 18 बालिका वर्ग का ट्रायल कल

अनोखा तीर, हरदा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आगामी सीरीज के लिए अंडर 18 बालिका वर्ग की ट्रायल दिनांक 22 मार्च 26 को प्रातः 10 बजे से नेहरू स्टेडियम, हरदा में आयोजित की गई है। इसमें जिले के समस्त खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है। ट्रायल के बाद चयनित खिलाड़ियों की टीम बनाकर मैच करवाए जाएंगे, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया जाएगा, जो नर्मदापुरम में डिवीजन के टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा
Office Email Id eeresharda@mp.gov.in Office Phone No. 07577-222519

क्रमांक 385/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26 हरदा, दिनांक : 25/02/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 23/2025-26

संभाग अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदाये आमंत्रित की गई है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ऑनलाईन दो कवर पद्धति-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत (रुपए में)
1	2	3	4
1	2026_RES_483032	एकीकृत माध्यमिक शाला सांवरी में 02 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	726317/-
		योग	**726317/-**

उक्त निविदा को ऑनलाईन भुगतान कर निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://mptenders.gov.in के माध्यम से क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक दिनांक 19.03.2026 को समय 14.00 बजे तथा निविदा प्रपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 30.03.2026 समय 17:30 बजे तक निर्धारित है। निविदा में होने वाले संशोधन एवं विस्तृत निविदा उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है, इसके अतिरिक्त निविदा में होने वाले समस्त संसोधनों का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

जी-27725/25

- "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग हरदा

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

सीएसएमटी-गोरखपुर-सीएसएमटी के मध्य प्रतिदिन स्पेशल ट्रेन
इटारसी, भोपाल एवं बीना में ठहराव

अनोखा तीर, भोपाल। रेलवे द्वारा आगामी समर में यात्रियों की सुविधा एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में मध्य रेल से प्रारंभ/टर्मिनेट होने वाली गाड़ी संख्या 01079/01080 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01079 सीएसएमटी से गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 01 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक (14 ट्रिप) तथा 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक (16 ट्रिप) प्रतिदिन रात 22:30 बजे सीएसएमटी स्टेशन से प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी दोपहर 13: 05 बजे, भोपाल 15: 55 बजे, बीना 18: 15 बजे पहुंचकर तीसरे दिन सुबह 10: 00 बजे गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर से सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन 03 अप्रैल से 16 अप्रैल 2026 तक (14 ट्रिप) तथा 17 अप्रैल से 02 मई 2026 तक (16 ट्रिप) प्रतिदिन गोरखपुर से दोपहर 14: 30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन बीना सुबह 06: 10 बजे, भोपाल 08: 30 बजे, इटारसी 10: 30 बजे पहुंचकर तीसरे दिन मध्यरात्रि 00: 40 बजे सीएसएमटी स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 09 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे। ट्रेन दोनों दिशाओं में दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती एवं खलीलाबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

केन्द्रीय विद्यालय हरदा शासकीय आदर्श महाविद्यालय अबगॉव खुर्द
KENDRIYA VIDYALAYA HARDA GOVT. ADARSH COLLEGE ABGOAV KHURD
Web Site :- https://harda.kvs.ac.in, EMAIL ID-kvhrd_2010@yahoo.com, ppl.harda@kvs.gov.in
KV Code-2203, School No. 54152 Affiliation No. 1000091, School Dies No. 23360117107

F.No. /Admission/KV Harda/2025-26/ Date 20.03.2026

केन्द्रीय विद्यालय हरदा में सत्र 2026-27 हेतु कक्षा पहली में प्रवेश सूचना

शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केंद्रीय विद्यालय हरदा में कक्षा 1 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण दिनांक 20.03.2026 प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 02.04.2026 तक होगा। प्रवेश संबंधित विवरण वेबसाइट https://kvsangathan.nic.in/en/admission/ के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। कक्षा 1 के लिए ऑनलाईन आवेदन करने का लिंक : https://admission.kvs.gov.in

(प्रमोद कुमार कोरी)
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय हरदा

संपादकीय

सिस्टम का 'शॉर्ट सर्किट' : खराब उपकरण...

दिल्ली में अनियोजित विकास की आपाधापी में जिस तरह से नियमों को धता बताया जाता रहा है, उसका नतीजा बार-बार किसी हृदयविदारक हादसे के रूप में सामने आता है। राजधानी के पालम इलाके की एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग बच गए, लेकिन बुरी तरह झुलसे हैं। बताया जा रहा है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उस इमारत में भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें थीं, जिससे आग मिनटों में फैली। घर की बनावट ऐसी थी कि फंसे लोगों को बचाने की कोशिश नाकाम रही। साथ ही, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों के खराब उपकरणों के कारण बचाव कार्य में देरी हुई।

अगर विभाग की हाइड्रोलिक प्रणाली समय पर काम करती, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस अग्निकांड से कई पुराने सवाल उठ रहे हैं, जिन पर अक्सर चर्चा होती है और नतीजा सिफर रहता है। इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी और विफलता के सवाल अहम हैं। दिल्ली में ऐसी कई इमारतें हैं, जो मिश्रित आवासीय-व्यावसायिक हैं। अवैध कालोनियों में नियमों के अनुपालन की उम्मीद करना बेमानी है।

राजधानी में अधिकांश जगहों की यही तस्वीर है। ऐसी जगहों पर किसी भी तरह का हादसा होने पर बचाव कार्य में प्रायः दिक्कत होती है। संकरी गलियों के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में समय लेती हैं। अनियोजित बस्तियों में आपातकालीन सेवाओं के प्रभावी ढंग से काम करने की अक्षमता कई बार उजागर हुई है। पालम में भी यह स्थिति दिखी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के इलाकों में आग लगने की घटनाओं की कई बार भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। दो साल पहले विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से आठ शिशुओं की मौत हो गई थी। ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज की गई हैं। अक्सर, इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी इंतजाम नहीं होते। विद्युत प्रणालियां दोषपूर्ण होती हैं या भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है।

ऐसे हादसों में अक्सर प्रशासनिक उदासीनता, नगर निकायों में भ्रष्टाचार और विकासकर्ताओं तथा अधिकारियों के बीच सांठगांठ के तथ्य सामने आते हैं। सवाल उठता है कि आगे का रास्ता क्या हो? अधिकारियों को चाहिए कि वे आपदाओं के बाद नोटिस जारी करने से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

दिल्ली में जनसंख्या घनत्व को देखते हुए, संकरी गलियों में अग्निशमन सेवाओं की पहुंच में सुधार और विद्युत अवसंरचना का उन्नयन आवश्यक है। पालम में जिस तरह की इमारत थी, वैसे भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनिवार्य किया जाना चाहिए। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि भविष्य के लिए ठोस इंतजाम किए जाएं।

दिल्ली सरकार ने अग्नि सुरक्षा आडिट की बात दोहराई है। जरूरी है कि काम धरातल पर दिखे। विडंबना यह है कि दिल्ली में आए दिन किसी न किसी इलाके में आग लगने और उसमें भारी नुकसान की खबरें आती रहती हैं, हादसे के बाद तमाम एजंसियां खानापूर्ति करती हैं और नतीजा ढाक के तीन पात रहता है।

गणगौर तीज

खुशियों से भर दो माता, हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार।

मीठे-मीठे भजनों से माँ, मिलकर तुमको रिझाएंगें,
श्रद्धा भक्ति भाव प्रेम से, सारे तुम्हें मनाएंगे,
सुन लो ओ प्यारी मैया, भक्तों की करुण पुकार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार।

सुनती हो माँ विनती उसकी, जो शरण तुम्हारी आता है,
खाली झोली वो फिर अपनी, प्रेम से भर ले जाता है,
कर जोड़ खड़े हम मैया, सपने कर दो साकार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार।

बूंदी, लड्डू, रबड़ी, पेड़े , प्रेम से भोग लगाएंगे,
पाकर निज प्रशाद तुम्हारा, धन्य सभी हो जाएंगे,
मैया के दर्शन पाकर, हुआ आनंद पारावार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार।

खुशियों से भर दो माता, हम सबका माँ भण्डार,
भर दो सबकी झोलियाँ, गवर ईशर सरकार।

– मोनिका डागा –आनंद

इलेक्ट्रिक वाहन वरदान या अदृश्य खतरा

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसका उद्देश्य यही है कि बढ़ते वायु प्रदूषण का मुकाबला किया जाए और पेट्रोल एवं डीजल पर निर्भरता भी कम हो। इसीलिए सार्वजनिक परिवहन में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया जा रहा है। कम खर्च में चलने और एक बेहतर विकल्प होने के कारण भी लोग ऐसे वाहनों को धीरे-धीरे अपनाने लगे हैं। मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नई तकनीक के जहां फायदे होते हैं, वहीं इसमें कई स्तरों पर जोखिम भी छिपे होते हैं। बिजली से चलने वाले वाहनों में तकनीकी गड़बड़ियों और आग लगने की घटनाओं से अब कई सवाल उठने लगे हैं। इंदौर में बुधवार तड़के एक इलेक्ट्रिक कार को चार्ज किए जाने के दौरान धमाके के बाद इमारत में आग लगने से आठ लोगों की मौत की घटना ने सचेत किया है कि क्या ये वाहन सुरक्षित हैं? गौरतलब है कि मकान के बाहर कार को चार्ज किए जाने के दौरान 'चार्जिंग प्वाइंट' में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। कोई दो मत नहीं कि आग लगने की ऐसी घटनाओं से उन लोगों का विश्वास कमजोर होगा जो पेट्रोल की गाड़ियों को छोड़ कर इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने का मन बना रहे हैं। यह उचित ही है कि विशेषज्ञों की एक समिति से इंदौर अग्निकांड की जांच कराई जाएगी। इसका जो भी निष्कर्ष सामने आए, लेकिन इससे स्पष्ट होगा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और इसके संचालन में कहां कमी रह गई।

सवाल है कि ऐसे वाहनों के इस्तेमाल और सुरक्षा के लिए कोई मानक संचालन प्रक्रिया अब तक क्यों नहीं अपनाई गई? इसके बारे में पहले से लोगों को क्यों नहीं बताया जाता। आखिर गलियों में या घरों के सामने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए लोग क्यों मजबूर हैं।

पेस्टीसाइड्स और रसायनों का बढ़ता इस्तेमाल चिंताजनक

दुनिया भर में कीटनाशकों का जानवरों पर इस्तेमाल कर पाया गया है कि इनसे मस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है और दिमागी संरचना में विकार आ सकता है। इसके अलावा कैंसर जैसे रोग उत्पन्न करने, मस्तिष्क कोशिकाओं, बच्चों की सीखने क्षमता और व्यवहार पर ये रसायन सीधा असर डालते हैं। अगर गर्भवती महिलाओं पर इन कीटनाशकों का हल्का-सा भी असर हो जाए, तो इससे गर्भस्थ शिशु गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। यानी मामला सिर्फ एक पीढ़ी तक नहीं रुकता, बल्कि भावी पीढ़ियों में भी विकृतियां पैदा करता है। कीटनाशकों के बचे अवशेषों की अधिकतम सीमा तय करना इसी समस्या के समाधान का एक रास्ता है। 'एमआरएल' यानी अधिकतम अवशेष सीमा असल में कीटनाशकों की बची हुई वह मात्रा है, जो उपचारित किए जाने के बाद भी दूध, सब्जियों, फलों, अनाजों और मांस में बची रहती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अनाजों और फल-सब्जियों में यह मात्रा इतनी रहनी चाहिए कि मनुष्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। इस तरह से 'एमआरएल' कीटनाशकों के अंधाधुंध और गलत प्रयोग पर बंदिश लगाने वाली पहली शर्त है, लेकिन फसलों को बाजार में ले जाने की जल्दी में क्या कोई इसका ध्यान रखता होगा?

अभिषेक कुमार सिंह

भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे जागरूकता और सख्त नियमन की कमी तथा हर स्तर पर बरती जा रही अनदेखी जिम्मेदार है। सामान्यतः एक भारतीय जो भोजन ग्रहण करता है, उसकी सटीक जांच की न तो कोई फिक्र है और न ही कोई ऐसी व्यवस्था उसके आसपास मौजूद है, जिससे वह आसानी से भोजन में छिपे जहर की पड़ताल कर सके।

जांच का जिम्मा जिन एजंसियों पर है, उनकी थोड़ी-बहुत सक्रियता होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर दिखती है। इसका नतीजा क्या है, यह हाल में बंगलुरु स्थित 'गट-हेल्थ स्टार्टअप माइक्रोबायोटीएक्स' के कराए गए शोध में सामने आया है। देश के नौ राज्यों और 14 शहरों के 200 शहरी भारतीयों के रक्त नमूनों के विश्लेषण में पाया गया कि 78 फीसद लोग कीटनाशक अवशेषों के संपर्क में हैं।

अध्ययन में शामिल लोगों में से 36 फीसद में तीन या अधिक कीटनाशकों का मिश्रित असर देखा गया, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर संकेत करता है। विषाक्त पदार्थ भूजल और वायु प्रदूषण के रास्ते शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। जांच के बाद आई रपट में कहा गया है कि 54 फीसद नमूनों में एंटीबायोटिक्स और 39 फीसद में स्टेरायड पाए गए। यह हार्मोन के असंतुलन और कैंसर जोखिम बढ़ा सकता है।

कुछ रसायन जो 'नानस्टिक' बर्तनों में भी उपयोग होते हैं, वे कैंसर, बांझपन, थायरायड और यकृत में गंभीर बीमारियों के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। सवाल है कि आखिर फसल उत्पादन, हमारे खानपान और रोजमर्रा की जिंदगी में कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल की वजह क्या है? आखिर इन पर वैसी रोक क्यों नहीं लग पा रही है, जैसी विकसित देशों में लगाई जाती है।

आज तक किसानों को इस बारे में जानकारी नहीं दी गई है कि किसी फसल पर कितनी मात्रा में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाना चाहिए। सिर्फ किसान ही नहीं, वितरक यानी आढ़तिए भी फलों-सब्जियों को संरक्षित करने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल करते हैं। सवाल है कि क्या हमारी सरकार आम जनता का हित देखना चाहती है या नहीं? इसका जवाब लोगों की जागरूकता में छिपा है।

यदि लोग खुद इन कीटनाशकों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक होंगे और वे इस पर सवाल उठाएंगे, तो सरकार इनके इस्तेमाल की नीति बनाने के लिए बाध्य होगी। बाह्य संक्रमणों और कीटों से निपटना पहले भी चुनौती थी और आज भी यह बड़ी समस्या है। इस तस्वीर में महज इतना फर्क आया है कि आज हमारे पास विकसित किए गए कीटनाशक वे रसायन हैं जो इन कीटों और संक्रमणों से हमें काफी हद तक निजात दिलाते हैं।

आम धारणा यह है कि ये हमें कई दिक्कतों से बचाते हैं, लेकिन शोध साबित करते रहे हैं कि मक्खी-मच्छर, फफूंद या बैक्टीरिया से बचने की यह कोशिश हमें रसायन जनित कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की जद में ले जा रही है। मामला सिर्फ खाद्य पदार्थों में मिलाए जाने वाले खतरनाक रासायनिक तत्त्वों का नहीं है, बल्कि उन चीजों का भी है जो संक्रमण रोकने और कीटरोधी के तौर पर इस्तेमाल की जा रही हैं।

खेतों में कीटनाशकों से फसलें सुरक्षित रहती हैं। घरों में रासायनिक दवाएं दीमक, तिलचट्टों, मक्खी-मच्छरों से हमें सुरक्षा प्रदान करती हैं। घरेलू कीटनाशकों का तो यह कह कर जोर-शोर से प्रचार किया जाता है कि कम या ज्यादा मच्छर होने पर इनका असर भी मनचाहे ढंग से घटाया या बढ़ाया जा सकता है। मगर कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रचलन हमारी सेहत की बलि ले रहा है।

खेत-खलिहान हों या घर, हमें हर जगह कीटनाशकों के इस्तेमाल की सलाह दी जा रही है, पर यह कोई नहीं बता रहा कि कितनी मात्रा तक इनका इस्तेमाल सुरक्षित है। खतरनाक रसायन दो तरीकों से हम तक पहुंच रहे हैं। अव्वल तो मक्खी-मच्छर और तिलचट्टों के रोकने के लिए हम खुद इनका इस्तेमाल करते हैं। दूसरे, खेतों में फसलों पर छिड़के जाने वाले कीटनाशकों के अंश फल-सब्जियों और अनाजों के जरिए हम तक पहुंचते हैं। अब चाहे कोई मौसम हो, शहरों-कस्बों में हर तरह के मच्छर प्रतिरोधी रसायनों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है।

इससे कस्बों और शहरों से मच्छरदानियां तकरीबन गायब हो गई हैं और बिजली से चलने वाले मच्छर भगाने वाले उपकरण तेजी से प्रचलन में आए हैं। मगर कोई यह देखने की जहमत नहीं उठा रहा कि इनका इस्तेमाल स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव तो नहीं छोड़ रहा है। लोग पूरी रात मच्छरों के प्रकोप से बचते हुए आराम से सोने के बावजूद आंखों में जलन, सुस्ती, चक्कर आदि की शिकायत करते हैं, लेकिन यह बात उनके जेहन में नहीं आती कि कहीं इसके पीछे ज्यादा असर वाला यह रसायन तो नहीं है!

कीटनाशकों की इस घेराबंदी का दूसरा छोर खेतों में फल-सब्जियों और अनाजों को कीटों से बचाने वाले रसायनों के छिड़काव से जुड़ा है। जिस हरित क्रांति ने विदेशों पर हमारी निर्भरता को खत्म किया और जिसकी बदौलत हमारे खेत लहलहा रहे हैं, उसका विपरीत प्रभाव यह है कि हमारी जमीन कीटनाशकों के जहर में डूब चुकी है। हमारी धमनियों में खून के साथ कीटनाशकों का अवशेष पहुंचने लगा है। ये चेतावनियां लगातार आ रही हैं कि इनके असर से भावी पीढ़ियों में ऐसे आनुवांशिक बदलाव हो सकते हैं जो उन्हें विकलांग बना सकते हैं।

वर्ष 2013 में पंजाब से इस बारे में जो रपटें आई थीं, वे जमीन में घुलते जहर की स्थिति और उसके असर को साफ करती हैं। चंडीगढ़ स्थित पीजीआइएमईआर दो साल तक पंजाब के 25 गांवों में किए गए सर्वेक्षण के बाद इस नतीजे पर पहुंची थी कि खेती में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों और खतरनाक औद्योगिक कचरे ने वहां के लोगों की सेहत बर्बाद कर दी है। खून के नमूनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि जिन लोगों के नमूने लिए गए हैं, उनमें से 65 फीसद लोगों के गुणसूत्र में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया भर में कीटनाशकों का जानवरों पर इस्तेमाल कर पाया गया है कि इनसे मस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है और दिमागी संरचना में विकार आ सकता है। इसके अलावा कैंसर जैसे रोग उत्पन्न करने, मस्तिष्क कोशिकाओं, बच्चों की सीखने क्षमता और व्यवहार पर ये रसायन सीधा असर डालते हैं। अगर गर्भवती महिलाओं पर इन कीटनाशकों का हल्का-सा भी असर हो जाए, तो इससे गर्भस्थ शिशु गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है।

श्रद्धा,आस्था और विश्वास का पर्व : गणगौर

भारत में प्रत्येक त्यौहार मानव मन की आस्था और अटूट विश्वास से जुड़ा हुआ है। भारतीय नारियों के भी अपने कुछ व्रत हैं, जो उनके आस्था और विश्वास से गहरे जुड़े हुए हैं। भारतीय समाज में स्त्री का पतिव्रता और सौभाग्यवती होना सम्मान माना जाता है। इसी पतिव्रत धर्म और सौभाग्य की रक्षा के लिए भारतीय नारियां अनेक व्रत भी करती हैं। करवा चौथ, हरतालिका तीज, वट सावित्री, अमावस्या और गणगौर ऐसे ही प्रमुख व्रत हैं जिनके द्वारा भारतीय नारी अच्छे पति और सौभाग्य की कामना करती हैं।

अंजनी सक्सेना

गणगौर का व्रत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन भगवान शिव ने देवी पार्वती को और देवी पार्वती ने अनेक स्त्रियों की पतिव्रता और सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद दिया था। मान्यता है कि गणगौर के दिन देवी पार्वती ने पहले पूजा करने वाली निर्धन स्त्रियों को वस्त्र, आभूषण तथा सौभाग्यवती होने का वरदान दिया था तथा बाद में आने वाली संपन्न स्त्रियों को रक्त सुहाग देते हुए पतिव्रता एवं सौभाग्यशाली होने का आशीर्वाद दिया। इसी दिन देवी पार्वती की पूजा से प्रसन्न होकर महादेव ने पार्वती को वरदान दिया कि आज के दिन जो स्त्री मेरा पूजा तथा तुम्हारा व्रत करेगी उसके पति चिरंजीव रहेंगे तथा अंत में उन्हें मोक्ष मिलेगा। पार्वती ने शिव की यह पूजा एवं व्रत छिपाकर किया था इसलिए आज भी इस व्रत में पूजन पुरुषों के सामने नहीं की जाती है। गणगौर मुख्य रूप से राजस्थानी महिलाओं का पर्व है, जिसमें वे भगवान शिव एवं पार्वती की पूजा अर्चना करती हैं। इस तरह गणगौर, शिव पार्वती की पूजा का पर्व है। गण यानि शिव और गौर यानि पार्वती, कुल मिलाकर गणगौर भगवान शंकर और पार्वती के ही दूसरे नाम हैं। देवी पार्वती ने भगवान शंकर को काफी तपस्या के बाद पति के रूप में पाया था, इसलिए पार्वती के समान सदा सौभाग्यवती रहने के लिए युवतियां और महिलाएं गौर की पूजा करती हैं। वे गौर से आशीर्वाद स्वरूप अमर सुहाग की कामना करती हैं। गणगौर का पर्व राजस्थान में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यहां गणगौर के सोलह दिन पहले यानि होलिका दहन के दूसरे दिन होली की राख से गौर मूर्ति बनाकर स्थापित की जाती है। कई जगह गौर प्रतिमा लकड़ी की भी बनायी जाती है। इस प्रतिमा की सोलह दिन तक लगातार पूजा-अर्चना की जाती है। सुबह सबेरे गौर को झूला झुलाया जाता है। इसे मालवा अंचल में गौर झुलाना भी कहते हैं। राजस्थानी युवतियां गणगौर पूजा के लिए सोलह दिन तक प्रातः काल सात कलश सिर पर रखकर ले जाती हैं और उन्हें नजदीक के नदी, तालाब या कुएं से भरकर लाती हैं। इसी जल एवं दूब के साथ गणगौर की पूजा की जाती है। सोलहवां दिन (चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया) गौर की विदा का दिन होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान शंकर गौर को लेने आते हैं और गौर अपनी सखियों से बिछुड़कर महादेव के साथ चली जाती है। गणगौर की विदा शोभा यात्रा के रूप में होती है। राजस्थान के जयपुर की गणगौर यात्रा तो इतनी प्रसिद्ध है कि उसे देखने के लिए देश के कोने-कोने से लोग एकत्रित होते हैं। बैंडबाजों से सजी गणगौर यात्रा में हाथी, घोड़े और ऊंट के साथ-साथ बाराती

भी होते हैं और पालकी में होती है गणगौर। राजस्थानी और मालवी स्त्रियां गणगौर का पूजन अलग-अलग रूपों में करती हैं। विवाहित महिलाएं आशीर्वाद स्वरूप अमर सुहाग की कामना करती है, तो कन्याएं गौर से अपने लिए अच्छे पति की कामना करती हैं। युवतियां गौर की पूजा सखी रूप में करती हैं। गौर का यही रूप गणगौर पूजन में मुख्य माना गया है। सोलह दिनों तक गौर को सखी मानकर पूजा की जाती है, इसलिए गौर के समक्ष हंसी ठिठौली भी पूजा में शामिल रहती है। गौर पूजा में लोकगीतों का भी भरपूर उपयोग किया जाता है। इन लोकगीतों में जहां भक्ति का पुट होता है, वहीं शिकायतें और हंसी मजाक भी। गणगौर की पूजा में गौर को सखी माना गया है। जब पूजा सखी भाव से की जा रही है, तो उन्हें भोजन कराना भी आवश्यक है। जब गौर को भोजन करा दिया तो पानी भी पिलाना पड़ेगा। गौर को पानी पिलाना आसान नहीं है। जब तक गौर को पानी पिलाने वाली सखी अपने पति का नाम नहीं बता दे वह पानी नहीं पिला सकती। पुराने समय में युवतियां शर्म और संकोच के कारण अपने पति का नाम लेने में झिझकती थी, इसलिए वे अपने पति का नाम दोहों में पिरोकर लेती थीं और गौर को पानी पिलाती थी। अब यह परंपरा सी ही बन गयी है। घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाएं गणगौर को घर की बेटी की तरह विदा करती है। गौर को पूरे जेवर पहनाये जाते हैं और राह के लिए नाश्ता भी साथ रखा जाता है। अब प्रतीक रूप में घर में बेसन के आभूषण बनाकर गौर को पहनाये जाते हैं जो अंत में गौर के साथ ही विसर्जित कर दिये जाते हैं। गौर के विसर्जन के पूर्व एक शोभा यात्रा निकाली जाती है, फिर नजदीकी नदी, तालाब या कुएं में गौर विसर्जन किया जाता है। विसर्जन करते समय महिलाएं भाव विह्वल हो उठती हैं और गौर की निशानी के रूप में उसकी चुनरी का एक छोर फाड़कर अपने पास रख लेती है। आधुनिक समाज में समय की तेज रफ्तार के आगे गणगौर की पूजा भी सिमट चली है। पहले सोलह दिनों तक चलने वाला यह उत्सव कई स्थानों पर एक या दो दिन में सिमटकर रह गया है। अब तो गणगौर की मुख्य पूजा वाले ही दिन बाजार से मिट्टी की बनी गणगौर प्रतिमा मंगा ली जाती है, और उसे पूजन के उपरांत विसर्जित कर दिया जाता है। प्रतीक रूप में आज भी गणगौर की पूजा बरकरार है और आज भी अनेक युवतियां और महिलाएं बड़े ही श्रद्धा और विश्वास के साथ गौर की मित्रवत पूजा अर्चना करती है और गणगौर को विसर्जित करते समय इस तरह भावुक हो उठती हैं जैसे उनका कोई आत्मीय जन उनसे बिछुड़ रहा हो।

सार-समाचार

डीआरएम ने बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी स्टेशनों का किया संरक्षा निरीक्षण

अनोखा तीर, भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पंकज त्यागी द्वारा 20 मार्च को रानी कमलापति–बुधनी खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। साथ ही बरखेड़ा, चौका, मिडघाट एवं बुधनी रेलवे स्टेशनों का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल संचालन की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता का आंकलन करना रहा। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, पुल–पुलियों, रेलवे क्रॉसिंग तथा

अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाए। मिडघाट एवं बुधनी जैसे घाट सेक्शन में विशेष रूप से ट्रैक की स्थिति, ढलान वाले क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों तथा ट्रेन संचालन की सतर्कता की समीक्षा की गई। डीआरएम ने कहा कि घाट सेक्शन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यहां अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं जैसे प्लेटफॉर्म स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं सूचना प्रणाली का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सुधार शीघ्र किए जाएं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय सहित मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

छनेरा में संकल्प से समाधान शिविर संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। संकल्प से समाधान अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से छनेरा में विकासखंड स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्राप्त आवेदनों का अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष ममता सावनेर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष चरण सिंह नायक,

विधायक प्रतिनिधि नर्मदा प्रसाद तंवर, एसडीएम आरसी खतेडिया सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि शिविर में कुल 10,067 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 9,941 हितग्राही पात्र तथा 126 अपात्र पाए गए। शिविर के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के 18, राजस्व विभाग के 9, सहकारिता के 3, नगर पंचायत के 42, स्वास्थ्य विभाग के 10, सामाजिक न्याय विभाग के 53 तथा सामान्य प्रशासन विभाग के 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ वितरित किया गया।

गुड़ी पड़वा पर भारत विकास परिषद के विविध आयोजन

अनोखा तीर, खंडवा। भारत विकास परिषद खंडवा शाखा द्वारा गुड़ी पड़वा पर्व इस वर्ष भी भव्य रूप से मनाया गया। मीडिया प्रभारी नारायण बाहेती के अनुसार अध्यक्ष रूपेश पालीवाल और सचिव देवेंद्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में विभिन्न आयोजन एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सुबह 9 बजे घंटाघर पर गुड़ी स्थापित कर पूजा–अर्चना की गई। इस दौरान बच्चों ने

आकर्षक रंगोली बनाकर उत्सव में रंग भरे। शाम को अतिथियों की उपस्थिति में भारत माता का पूजन कर दीप उत्सव मनाया गया और आतिशबाजी भी की गई। कार्यक्रम में अनंत अरझरे, डॉ. शैलेंद्र, प्रियंका पटेल, कंचन मुकेश तनवे, मुकेश तनवे, डॉ. शिवशंकर गुर्जर, संतोष राठौर, डॉ. दिलीप हिंदुजा, दर्शनीय राठौर, अमित हिंदुजा, डॉ. अनीस अरझरे, मोनिका पालीवाल, प्रेरणा जैन, अनामिका अरझरे, चन्द्रशेखर सोहनी, अश्विनी भाटे, अनुया भाटे, हेमंत आंगले, गोवर्धन गोलानी, संजय पालीवाल, सुरेंद्र सोलंकी, अनूप हिंदुजा, रमेशचंद सहित बड़ी संख्या में सदस्य एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आदिरंग महोत्सव में लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां आज

अनोखा तीर, खंडवा। जनजातीय नृत्य, संगीत एवं शिल्प कलाओं पर केंद्रित तीन दिवसीय आदिरंग महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार 21 मार्च को विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री, जनजातीय कार्य विभाग दुर्गादास उइके मुख्य अतिथि रहेंगे तथा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल अध्यक्षता करेंगे। विधायक कंचन मुकेश तनवे, छाया मोरे और नारायण पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। महोत्सव के दूसरे दिन भीली गायन, नर्मदा प्रवाह नृत्य–नाटिका, सौंगी मुखौटा, भवाड़ा नृत्य, बरेदी नृत्य, लहंगी नृत्य, गणगौर नृत्य और ढीमसा नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कलाकारों द्वारा विभिन्न जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति की झलक मंच पर प्रस्तुत की जाएगी।

नाचते-गाते धनियर राजा के साथ गोरा रानी को दी विदाई

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम सहित आसपास के क्षेत्र में पिछले 9 दिनों से चल रहे गणगौर उत्सव का शुक्रवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हो गया। ग्राम की इंदिरा कॉलोनी में पूनम भाटी के निवास पर आयोजित इस उत्सव के अंतिम दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसादी ग्रहण की। भंडारे के बाद ग्रामीणों और महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नाचते–गाते हुए धनियर राजा और गोरा रानी को सिर पर रखकर पूरे गांव में जवारों के साथ शोभायात्रा निकाली। इस दौरान जगह–जगह ग्रामीणों ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की। शाम के समय शोभायात्रा हंसावती नदी पहुंची, जहां महिलाओं द्वारा पारंपरिक रीति–रिवाज से झालरे दिए गए। इसके बाद जवारों का विधिवत पूजन, आरती कर विसर्जन किया गया। इस भावुक पल के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और श्रद्धा भाव से विदाई दी। वहीं, अंतिम दिन शुक्रवार रात्रि को सजे–धजे पंडाल में महिलाओं ने गणगौर के सुंदर भजनों पर छालरे प्रस्तुत किए। श्याम गैर मंडल द्वारा आकर्षक और मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे उपस्थित जनसमूह को देर रात तक बांधे रखा। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

घंटाघर पर 'गौरैया बचाओ' अभियान

सैकड़ों ने लिया संकल्प

अनोखा तीर, खंडवा।

विश्व गौरैया दिवस पर घंटाघर चौक में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर गौरैया संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने बताया कि बढ़ते शहरीकरण, मोबाइल टावरों के रेडिएशन और प्राकृतिक आवास की कमी से गौरैया की संख्या लगातार घट रही है, जिसे बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। मुख्य अतिथि किरण पटोले ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रणय गुप्ता ने की, जबकि गणेश भावसार और राहुल मेहता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन में विष्णु अग्रवाल का सहयोग रहा। इस अवसर पर परमजीत सिंह नारंग, नंदकिशोर मिश्रा, देवेंद्र जैन, अंजली शिंदे, रंजना सोनी, कनक वर्मा, रानी वर्मा, नेहा वर्मा, नमिता काले सहित अनेक नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में आलोक नायक द्वारा गौरैया के लिए निशुल्क घोंसलों का वितरण भी किया गया। उन्होंने बताया कि वे पिछले 10 वर्षों से यह सेवा कर रहे हैं।

सट्टा एक्ट में दो आरोपी पकड़े, 6500 रुपए जब्त

अनोखा तीर, खंडवा।

आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जिले में पुलिस द्वारा सट्टा गतिविधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन में 19 मार्च को थाना नर्मदानगर क्षेत्र में सट्टा खेलने और खिलाने वालों पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों से कुल 6500 रुपए जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान दिनेश निवासी दौलतपुरा से 4000 रुपए नगद, लीड पेन और सट्टा अंक लिखी डायरी तथा टीकाराम खर्जे निवासी फोकटपुरा पुनासा से 2500 रुपए नगद, लीड पेन और सट्टा अंक लिखी डायरी जब्त की गई। दोनों के खिलाफ सट्टा एक्ट की धारा 4क के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं जिले के विभिन्न थानों में 28 असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई। धारा 126/135 के तहत 13 प्रकरणों में 21, धारा 129 में 2 प्रकरणों में 2 तथा धारा 170 में 5 प्रकरणों में 5 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कुल 21 लोगों के खिलाफ बाउंड ओवर की कार्रवाई की गई है।

24 घंटे में 3.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में विगत 24 घंटे के दौरान औसत 3.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू–अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा, पंधाना और पुनासा तहसील में वर्षा नहीं हुई, जबकि खालवा में 14 मिलीमीटर तथा हरसूद में 2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत पंधाना में 23 मार्च को शिविर

अनोखा तीर, खंडवा। संकल्प से समाधान अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि अभियान के तृतीय चरण में आयोजित इन शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही अधिकारियों द्वारा निराकरण किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंधाना विकासखंड के ग्रामीणों एवं नगरवासियों की सुविधा के लिए 23 मार्च को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जनपद पंचायत पंधाना परिसर में शिविर आयोजित होगा। खालवा विकासखंड के लिए 24 मार्च को जनपद पंचायत खालवा, छैगांवमाखन क्षेत्र के लिए 25 मार्च को जनपद पंचायत परिसर छैगांवमाखन तथा बलड़ी विकासखंड के लिए 26 मार्च को जनपद पंचायत बलड़ी परिसर में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

गुड़ी पड़वा पर निकली भव्य भगवा वाहन शोभायात्रा

अनोखा तीर, खंडवा। हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर शहर में सकल हिंदू समाज द्वारा भव्य भगवा वाहन शोभायात्रा निकाली गई। धार्मिक उत्साह के साथ नवसंवत 2083 का स्वागत किया गया। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा भवानी माता प्रांगण से प्रारंभ होकर बड़ा बम, रेलवे स्टेशन, मुंबई बाजार, घंटाघर, नगर निगम, जलेबी चौक और बजरंग चौक होते हुए इंदिरा चौक पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा में महापौर अमृता अमर यादव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाजजन शामिल हुए। विभिन्न संगठनों और समाजों के सदस्यों ने मार्ग में स्वागत कर उत्साह बढ़ाया।

राजेंद्र अग्रवाल एफसीआई परामर्शदात्री समिति में नामित

अनोखा तीर, खंडवा। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के लिए भारतीय खाद्य निगम की परामर्शदात्री समिति में खंडवा के राजेंद्र कुमार अग्रवाल (नयन एग्रो) को नामित किया गया है। नियुक्ति आदेश के साथ अधिकार सूची भी जारी की गई है। इस नियुक्ति में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल का विशेष सहयोग रहा। नामांकन पर राजेंद्र अग्रवाल ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं विधायक कंचन मुकेश तनवे के प्रति आभार व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, खंडवा अग्रवाल समाज, चेंबर्स ऑफ कॉमर्स, सीड एसोसिएशन, खाद–बीज एसोसिएशन सहित विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी।

खंडवा में कांग्रेस संगठन का विस्तार, नए ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त

अनोखा तीर, खंडवा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठनात्मक विस्तार के तहत जिले के विभिन्न ब्लॉकों में नए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। इस बदलाव से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज हुई है। जारी सूची के अनुसार मांधाता विधानसभा क्षेत्र में पुनासा से दिनेश पंवार, किल्लौद से गिरवर सिंह और ओंकारेश्वर उपब्लॉक से नादानसिंह सोलंकी को जिम्मेदारी दी गई है। हरसूद क्षेत्र में हरसूद से रघुवीर सिंह चौहान, खालवा से बसंत पंवार, सुंदरदेव गुलाई उपब्लॉक से चंपालाल पटेल और रोशनी उपब्लॉक से सरोज बघेल को नियुक्त किया गया है। खंडवा विधानसभा क्षेत्र में खंडवा ग्रामीण से पवन पाटीदार, दक्षिण शहर से विशाल जैन और उत्तर शहर से इमरान गौरी को ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया है। पंधाना क्षेत्र में संजीव पटेल, जय पटेल और कैदार पाटीदार को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) उत्तमपाल सिंह और जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) प्रतिभा रघुवंशी ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपेक्षा जताई है।

जीतू पटवारी बोले-मेरे अलावा कोई भी राज्यसभा जाएगा

दिग्विजय को लेकर कहा- वो भी हो सकते हैं पर निर्णय पार्टी लेगी

अनोखा तीर, भोपाल।

भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने खुद को राज्यसभा की रेस से अलग कर लिया है। भोपाल में मालवा क्षेत्र के कथावाचक मोहित नागर को कांग्रेस की सदस्यता दिलाने के बाद

मीडिया से चर्चा के दौरान जीतू पटवारी ने राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कहा-कांग्रेस के अध्यक्ष का पद जिम्मेदारी का पद होता है। काम के लिए 24 घंटे भी कम पड़ते हैं। इस तरह की जिम्मेदारी का ये पद है। तो मेरे अलावा कोई भी साथी होगा वो सौ प्रतिशत राज्यसभा जाएगा। मीडिया और बीजेपी चिंतित होते हैं दोनों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। जीतू पटवारी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या दिग्विजय सिंह राज्यसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं तो उन्होंने कहा-बिल्कुल हो सकते हैं ये पार्टी निर्णय करेगी। बता दें कि एमपी में जून में खाली हो रही राज्यसभा की सीट को लेकर चिंतन और मंथन का दौर चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधानसभा सदस्यता बरकरार रखी लेकिन राज्यसभा चुनाव में मतदान का अधिकार नहीं दिया। ऐसे में राज्यसभा उम्मीदवारों को हरियाणा, ओडिशा, बिहार जैसे राज्यों में हुई क्रॉसवोटिंग के बाद एमपी में भी अंदरखाने टेंशन है।

बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह का छल

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- पूरे मप्र और देश में भयावहता है। महंगाई हर घर के चूल्हे को ग्रसित कर रही है। बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह से छल था। तीन हजार रुपए का वादा करके 1500 रुपए देना।

ईद-उल-फितर से पहले खंडवा में फ्लैग मार्च

अनोखा तीर, खंडवा। ईद–उल–फितर पर्व की पूर्व संध्या पर शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। शाम 6 बजे कंट्रोल रूम से शुरू हुआ यह मार्च संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दल–बल के साथ निकाला गया। इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से शांति बनाए रखने और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की।

महापौर कप 2026: जिमखाना बना चैंपियन

अनोखा तीर, खंडवा। महापौर कप 2026 के फाइनल मुकाबले में जिमखाना टीम ने ओम साईं को 58 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुकाबला रोमांचक रहा और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिमखाना ने 20 ओवर में 146 रन बनाए। शिखर गंगराडे ने नाबाद 47 रन बनाए, जबकि पंडित ने 26 रन की उपयोगी पारी खेली। जवाब में ओम साईं की टीम 18.4 ओवर में 88 रन पर सिमट गई। यश मालाकार ने 46 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन अन्य बल्लेबाज टिक नहीं सके। गेंदबाजी में जिमखाना के पंडित ने 3 विकेट लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच बने।

फाइनल के बाद आयोजित समारोह में विजेता टीम को महापौर ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम में राजपाल सिंह तोमर, अमृता अमर यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रतियोगिता यादगार रही।

सार-समाचार

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर संरक्षण एवं संवर्धन जागरूकता अभियान

अनोखा तीर, खातेगांव। शासकीय हाईस्कूल सवासडा में विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च को मनाया गया। गौरैया की विलुप्त होती प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विद्यालय के जागरूक बच्चों द्वारा गौरैया के घोंसलें बनाए गए, बच्चों द्वारा बड़ी ही लगन एवं मेहनत से ये घौंसलें तैयार किए गए। बच्चों के इस सराहनीय कार्य के लिए विद्यालय द्वारा बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार कु. विनीता गुर्जर, द्वितीय पुरस्कार कु. पूर्णिमा गुर्जर एवं तृतीय पुरस्कार कु. जिया चौहान ने प्राप्त किया। सभी बच्चें इन घौंसलों को अपने अपने घरों पर उचित स्थान पर लगाएंगे और उनकी देखभाल करते हुए गौरैया के संरक्षण एवं संवर्धन में सहयोग करते हुए प्रकृति के संतुलन में अपना दायित्व निभाएंगे।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के द्वारा महर्षि गौतम का मनाया जन्मोत्सव

परिचय सम्मेलन में जाने का किया आह्वान

अनोखा तीर, कांटाफोड़। महर्षि गौतम ऋषि के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा, आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर समाजजनों द्वारा विधि-विधान के साथ महर्षि गौतम ऋषि की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर भव्य आरती की गई। पूरे वातावरण में भक्ति भाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो

गया, जहां उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने ऋषि के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। राधेश्याम शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, जितेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा, रामेश्वर शर्मा, गिरीश शर्मा, आयुष शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, विजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया। इस अवसर पर समाज सेवी सुनील शर्मा ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए आगामी 29 मार्च को देवास में आयोजित होने वाले युवक-युवती परिचय सम्मेलन की जानकारी दी। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अधिक से अधिक संख्या में देवास पहुंचकर इस सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया।

स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण पर संवाद, कार्यशाला आयोजित

अनोखा तीर, सतवास। नगर परिषद सतवास द्वारा स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संवाद, कार्यशाला एवं स्वच्छता चैंपियन सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नपा अध्यक्ष श्रीमती बलजीतकौर सतनाम सिंह बग्गा एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश घावरी ने किया। कार्यक्रम में स्वच्छता के महत्व, साफ-

सफाई बनाए रखने की जिम्मेदारी तथा महिलाओं की समाज में सशक्त भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला के दौरान उपस्थित नागरिकों, महिलाओं एवं कर्मचारियों को स्वच्छता संबंधी जागरूकता के साथ-साथ अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता चैंपियनों को सम्मानित भी किया गया। अतिथियों ने सभी से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में नगर परिषद के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मीणा समाज की बैठक आयोजित

अनोखा तीर, माखन नगर। नगर में गुरुवार को स्थानीय मीणा समाज द्वारा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चर्चा कर निर्णय लिया गया कि भगवान मीनेष जन्मोत्सव कार्यक्रम 21 मार्च दिन शनिवार को स्थानीय साई जय

हिन्द डेरिया गार्डन में प्रात: 11 बजे से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यकम, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ जिलाध्यक्ष, युवा अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण में किशोरी बालिकाओं का दिखा उत्साह

ब्लॉक में एक दिन में 95 बालिकाओं ने लगवाया टीका

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए भारत सरकार ने 28 फरवरी को 14 से 15 वर्ष की लड़कियों के लिए एक राष्ट्रव्यापी, निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य 1.15 करोड़ से अधिक लड़कियों को गार्डासिल-4 टीके की एक खुराक के साथ सुरक्षित करना है, जो 93-100 प्रतिशत तक प्रभावी है। इस अभियान के अंतर्गत सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। 14 से 15 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को लगने वाला एचपीवी वैक्सीन एक अत्यंत प्रभावी टीका है जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण को रोकता है। यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा, गुदा, मुंह-गले और अन्य प्रकार के कैंसर का प्रमुख कारण है।

शुक्रवार को स्थानीय सिविल अस्पताल के माध्यम से 14-15 वर्ष की 95 किशोरी बालिकाओं को यह वैक्सीन लगाई गई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कांति बाथम के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अभियान को सफल बनाने में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। बीएमओ ने किशोरी बालिकाओं तथा पालकों से अपील की है कि अपनी बालिकाओं के उत्तम स्वास्थ्य के लिए यह टीका लगवाना अति आवश्यक है। इस दौरान सिवनी मालवा के एसडीएम विजय राय ने टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया, टीका लगवाने आई बालिकाओं तथा उनके पालकों से बात कर प्रमाण पत्र वितरित किए। साथ ही सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज में 14-15 वर्ष की अन्य बालिकाओं को भी टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित करें। सिविल अस्पताल में यह टीका, उमंग स्वास्थ्य केंद्र कमरा नंबर 30 में लगाया जा रहा है। टीकाकरण अभियान में सिविल अस्पताल की बीसीएम प्रिया पांडे, बीपीएम इन्दर हिरवे, बीईई अश्विनी जोसेफ, एमएल टेकाम, उमंग स्वास्थ्य केंद्र के परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, सेक्टर सुपरवाइजर राम सिंह मुहाने, आपरेटर कृष्ण कुमार मालवीय, प्रबल शर्मा, एएनएम वंदना लौवंशी, शीतल कुशवाहा, नीलिमा सिंह, दीपिका मालवीय, ज्योति मालवीय की टीकाकरण अभियान को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से किशोरी बालिकाओं को सिविल अस्पताल लाकर टीका लगवाने में आशा सुपरवाइजर प्रतिभा यादव, मधु राठौर, गिरजा कुशवाहा का सराहनीय कार्य रहा।

गर्ल्स हॉस्टल से निकलने वाले पानी से लोग परेशान

अनोखा तीर, इटारसी। नगर में मालवियागंज माहेश्वरी दाल मिल गर्ल्स हॉस्टल के पीछे गर्ल्स हॉस्टल से निकलते पानी से क्षेत्र के रहवासी परेशान है। बताया गया कि गर्ल्स हॉस्टल से पानी प्रतिदिन रोड पर आता है। जिससे मोहल्ले में सभी को बहुत परेशानी हो रही है। रोड पर पानी आने

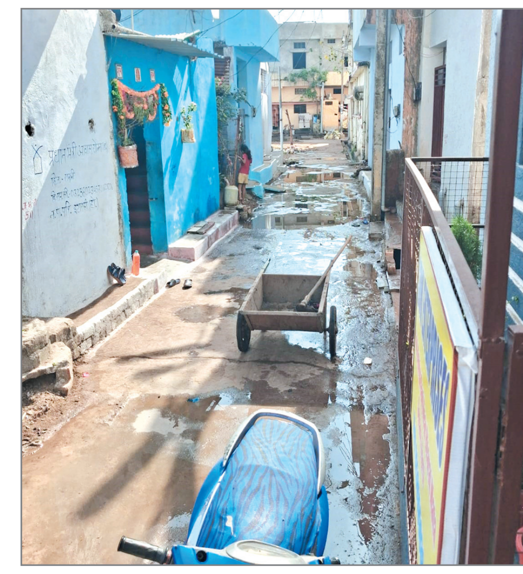

की वजह है नाली के ऊपर बनी हुई पार है जिसके नीचे छोटा सा पाइप डाला हुआ है, इस वजह से पानी नहीं निकल पाता है। जिस कारण प्रतिदिन रोड पर पानी आता है, रहवासियों को आने-जाने में प्रतिदिन की परेशानी बनी हुई है। वहीं मुख्य रूप से महिलाओं का कहना है कि नवरात्रि चली रही है, प्रतिदिन गंदे पानी में से जाकर के माता रानी को जल चढ़ाने जाना पड़ता है। महिलाओं ने प्रशासन से निवेदन है कि वह पार तुड़वाकर नाली को फ्री करें।

-नरवाई जलाने की परंपरा छोड़, वैज्ञानिक तरीके से खेती करना अपनाए किसान

नरवाई न जलाकर उसका उचित प्रबंधन करना ही है सबसे बेहतर विकल्प

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

नरवाई प्रबंधन पर जिले के किसानों का एक सकारात्मक दृष्टिकोण पूरे जिले में देखने को मिल रहा है। जहां किसानों द्वारा विभिन्न आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंध कर उनका निस्तारण किया जा रहा है। किसानों द्वारा मल्चर रोटावेटर स्ट्रॉ रीपर सहित अन्य कृषि यंत्रों के माध्यम से भूसा बनाने का कार्य किया जा रहा है। कई किसान इन अवशेषों से भूसा तैयार कर पशुपालन में उपयोग कर रहे हैं। जिन किसानों को अपने खेतों में फसल कटाई के बाद बचे हुए फसल अवशेष से भूसा तैयार नहीं करना है उनके द्वारा मल्चर एवं रोटावेटर का उपयोग कर खेत को अगली फसल के लिए तैयार किया जा रहा है जो कि कम समय में संपन्न हो जाता है।

इसके साथ ही इससे मिट्टी की उर्वरता क्षमता को भी बल मिलता है तथा फसल अवशेष के ना जलने से पर्यावरण को भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। तथा अन्य किसी भी प्रकार की जान माल की क्षति भी नहीं पहुंचती। आधुनिक कृषि यंत्रों से तैयार किए गए खेत आगे चलकर फसल प्रबंधन के लिए भी उपयुक्त साबित होते हैं। जिले के अलग-अलग विकासखंड के किसानों द्वारा नरवाई प्रबंधन के लिए उपयोग किए जाने वाले कृषि यंत्रों तथा नरवाई प्रबंधन के लिए अपनाई जाने वाली विधि भी अन्य किसान भाईयों के साथ साझा किया रही है। जिससे अन्य किसान भाई भी नरवाई जलाने जैसी पर्यावरण विरोधी गतिविधि को त्याग कर कृषि तकनीकों के माध्यम से खेती करने की पद्धति को अपनाएं। विकासखंड सिवनी मालवा के ग्राम रिछी के कृषक गुरु प्रसाद गुर्जर ने बताया कि उनके द्वारा विगत कई सालों से नरवाई का कृषि यंत्रों की सहायता से प्रबंध किया जा रहा है। नरवाई न जलाने के कारण फसल उत्पादन भी कभी खराब नहीं हुआ, साथ ही खेत की उर्वरता भी कम नहीं हुई है। इसी प्रकार ग्राम रिछी के ही कृषक आनंद कुमार गुर्जर ने भी फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए फसल कटाई के बाद कल्टीवेटर और रोटावेटर के माध्यम से खेत तैयार करने के तरीके से अवगत कराया।

जिला प्रशासन सतत रूप से फसल अवशेष के उचित प्रबंधन के लिए किसानों को निरंतर तकनीकी सहित अन्य मार्गदर्शन प्रदाय करवा रहा है। जिसके माध्यम से किसानों ने भी फसल अवशेष को जलाने के बजाय उसके उचित प्रबंध करने के लिए अपना सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाना प्रारंभ कर दिया है। निश्चित ही यह बदलाव आने वाले समय में जिले को नरवाई जलाने के मामले से मुक्त बनाने में मददगार साबित होगा। प्रशासन द्वारा किसान भाइयों से यह अपील की गई है कि खेतों में फसल अवशेष में आग लगाने के स्थान पर उसके निस्तारण के लिए उचित तकनीक तथा विभिन्न कृषि यंत्रों का उपयोग कर उनकी सहायता लें। तथा खेत पर्यावरण तथा नर्मदापुरम जिले को नरवाई की आग जलाने के मामले से मुक्त रखने में सहयोग प्रदान करें।

खबर का असर...

बुदनी से सलकनपुर रोड निर्माण में आई तेजी, श्रद्धालुओं को बड़ी राहत

● समाचार प्रकाशित होते ही हरकत में आया प्रशासन, नवरात्रि से पहले सुधरी व्यवस्थाएं

अनोखा तीर, बुदनी/सलकनपुर। चैत्र नवरात्रि में सलकनपुर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए प्रशासन द्वारा बुदनी से सलकरपुर सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। ज्ञात हो कि विगत 14 मार्च को अनोखा तीर बुधनी द्वारा बुदनी से सलकनपुर मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सड़क निर्माण कार्य में तेजी ला दी है। वर्तमान में मार्ग पर तेज गति से निर्माण कार्य जारी है, जिससे मां विजयासन देवी धाम, सलकनपुर तक पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं को अब पहले जैसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। विशेष रूप से चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं को इससे काफी राहत मिली है।

दैनिक अनोखा तीर
निशाने पर हर खबर
14 Mar 2026 - Page 6

सलकनपुर पैदल यात्रा बनी अग्नि परीक्षा

● तपती सड़क, टूटा मार्ग और 40 डिग्री गर्मी में नंगे पैर चलने को मजबूर श्रद्धालु

अनोखा तीर, बुदनी। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां विजयासन देवी सलकनपुर के दर्शन के लिए पैदल यात्रा करते हैं। कई श्रद्धालु आस्था के चलते नंगे पैर लंबी दूरी तय कर मंदिर तक पहुंचते हैं, लेकिन इस बार उनकी यह यात्रा किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं लग रही है। इन दिनों क्षेत्र में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो चुका है और तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच रहा है। ऐसे में तपती सड़क पर नंगे पैर चलना ही श्रद्धालुओं के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसके साथ ही सलकनपुर मार्ग की बदहाल सड़क उनकी परेशानी को और बढ़ा रही है। पदयात्रियों का कहना है कि रास्ते में कई जगह सड़क उखड़ी हुई है, कहीं बड़े-बड़े गड्ढे हैं तो कहीं धूल, मिट्टी और गिट्टी फैली हुई है। ऐसे में नंगे पैर चलना बेहद कठिन हो रहा है। कई श्रद्धालुओं को पैरों में चोट लगने का खतरा भी बना रहता है। हर साल नवरात्रि में हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस मार्ग से पैदल सलकनपुर पहुंचते हैं, लेकिन सड़क की खराब स्थिति और व्यवस्थाओं की कमी के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामन[illegible]
Super Documents >

प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्ग में जगह-जगह पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया की पहल से जनहित के कार्यों में तेजी आई है। लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी ऐसे मुद्दों पर इसी तरह शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई होती रहेगी।

दीवार की दरार में मिला 8 फीट लंबा सांप, रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

अनोखा तीर, इटारसी। नगर के टिंकू कुचबंदिया के खेत में बने एक कमरे की दीवार की दरार में 8 फीट लंबा सांप मिला। सांप को देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर सर्पमित्रों की एक टीम मौके पर पहुंची। इस टीम में सर्पमित्र अभिजीत यादव, मोहित मेहरा और सचिन दुलारे शामिल थे। सांप दीवार की दरार में काफी अंदर छिपा हुआ था, जिससे उसे बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। सर्पमित्रों ने पूरी सतर्कता बरतते हुए दीवार के कुछ हिस्से को सावधानीपूर्वक तोड़ा और लगभग 8 फीट लंबे सांप को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित बाहर निकाला। जांच के दौरान यह धामन (इंडियन रैट स्नेक) प्रजाति का गैर विषैला सांप पाया गया, जो आमतौर पर इंसानों के लिए खतरनाक नहीं होता। रेस्क्यू के बाद सांप को सुरक्षित तरीके से वन क्षेत्र में ले जाकर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

अभ्युदय लोक सेवा संस्थान द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक गृह सिवनी मालवा, जिला नर्मदापुरम में निम्न पद पर अस्थाई नियुक्ति की जानी है। इच्छुक आवेदक साक्षात्कार हेतु अपना आवेदन बस स्टैंड के ऊपर का भवन, सिवनी मालवा में दिनांक 26 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं।

क्र.	पद का नाम	पद	योग्यता	मासिक मानदेय	कार्य अवधि
1	Cook (रसोईया)	1	8Th+ 3 year experience	8243 रू.	Full time

1. **नोट:** वरिष्ठ नागरिक गृह में कार्य किये व्यक्ति को प्राथमिकता दी जावेगी।
2. **संपर्क**-07570 299053, 9753743721

जल गंगा संवर्धन अभियान...

जिले में जनजागरूकता व श्रमदान कार्यक्रम आयोजित

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। प्रदेशभर में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में माखननगर के सेक्टर क्रं 02 अंतर्गत नवांकुर संस्था एक्सीलेंस आर्यन सेवा समिति द्वारा ग्राम समौन में संगोष्ठी आयोजित कर अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में सिवनी मालवा क्षेत्र में नवांकुर संस्था दिशा जन कल्याण सेवा समिति कोलगांव द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान बावड़ी की साफ-सफाई कर अभियान की शुरुआत की गई। वहीं ग्राम भमेड़ी में नवांकुर संस्था जीवनदायनी समाज सेवा समिति गाजनपुर के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर जल संचयन के लिए ग्राम वासियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीणों की सहभागिता रही। अभियान के तहत आगामी 30 जून तक कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नदियों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मांगरोल में तिलबहरी नाले पर बोरी बंधान का कार्य कर वर्षा जल संचयन की दिशा में पहल की गई। अभियान जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संपूर्ण नर्मदापुरम जिले में सतत रूप से जारी है तथा 30 जून तक चलने वाले इस अभियान में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिवनी मालवा, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

क्र./730/भीलटदेव/जपं/2026 सिवनी मालवा दिनांक 17/03/2026

// विज्ञप्ति //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत सिवनी मालवा द्वारा प्रतिवर्षानुसार भीलटदेव मेले का आयोजन दिनांक 31.03.2026 से 13.4.2026 तक किया जा रहा है जिसमें विद्युत ठेका, मोटर सायकल/स्कूटर/सायकल/जीप कार/आटो स्टेण्ड, साफ-सफाई ठेका, टेन्ट कुर्सी, स्वच्छ पेयजल संचालन एवं अन्य व्यवस्था हेतु ठेको की खुली नीलामी दिनांक 24.03.2026 को जनपद सभा कक्ष में समय दोपहर 2.30 बजे की जावेगी।

1. ठेका नीलामी की समस्त शर्तों का अवलोकन जनपद पंचायत में कार्यालीयन समय में अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत सिवनी मालवा

सार-समाचार

पैरा फेंसिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित

अनोखा तीर, देवास। प्रदेश में दिव्यांग खिलाड़ियों को खेलों के माध्यम से सशक्त बनाने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर में पैरा फेंसिंग (व्हीलचेयर तलवारबाजी) का निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, तिलक नगर, इंदौर में आयोजित होगा, जिसमें विशेष रूप से दिव्यांग खिलाड़ियों को

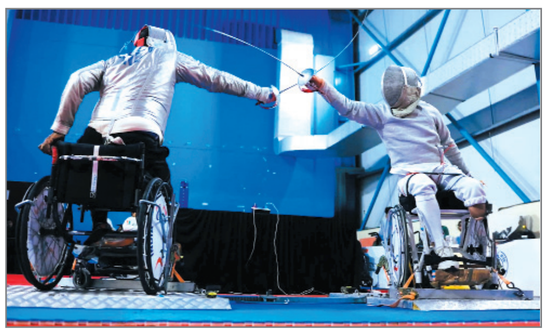

फेंसिंग की बारीक तकनीकों, नियमों और प्रतियोगिताओं की तैयारी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इंदौर फेंसिंग स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पैरा खिलाड़ियों को एक उचित मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और भविष्य में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने आगे बताया कि शिविर में सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट और अनुभवी एवं प्रमाणित कोच मास्टर सईद आलम द्वारा खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, संतुलन, गति, रणनीति और मैच प्रैक्टिस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, खिलाड़ियों को व्हीलचेयर फेंसिंग के नियमों और सुरक्षा मानकों की भी विस्तृत जानकारी दी जाएगी। शिविर के दौरान प्रतिभागियों का प्रदर्शन के आधार पर चयन भी किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को आगामी जिला स्तरीय पैरा फेंसिंग (व्हीलचेयर तलवारबाजी) प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विशेष आपदा जागरूकता अभियान में दी जानकारी

अनोखा तीर, देवास। आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में दशमेश सोशल एंड एजुकेशनल सोसाइटी के नेतृत्व तथा होमगार्ड एवं एसडीआरएफ की टीम के सहयोग से खातेगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत निमानपुर, लावरस, दुलवा, मिर्जापुर में विशेष आपदा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जिसमें नदी में डूबने से बचाव के उपाय, जहां अधिक वर्षा के कारण

बाढ़, भूकंप जैसी स्थिति में बचाव के तरीके, बिल्डिंग कॉलेप्स, इंप्रोवाइज मैथड, हृदयघात की स्थिति में सीपीआर देना, यह सब बताया गया। अभियान का उद्देश्य आमजन को प्राकृतिक एवं मानवीय आपदाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना और आपात स्थिति में सही प्रतिक्रिया देना सिखाना था। संस्था के अध्यक्ष संमीत खनुजा ने कहा कि इस प्रकार के जनजागरूकता अभियानों से नागरिकों में न केवल आपदाओं से निपटने की क्षमता बढ़ती है, बल्कि समाज में सामूहिक सुरक्षा की भावना भी मजबूत होती है। अभियान में होमगार्ड की टीम, प्लाटून कमांडेंट वीणा कौशल, सिविल डिफेंस वालंटियर यशवंत जोशी, राजेश जोशी, अर्जुन टग्गर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बेमौसम बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता, फसलों को भारी नुकसान

अनोखा तीर, चिचोली/शाहपुर। क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश और तेज बिजली गिरने की घटनाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। गुरूवार को हुई बारिश के साथ तेज आंधी और बिजली चमकने से किसानों के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। बारिश के साथ आई तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ने की आशंका है। वहीं, वन उपज जैसे

महुआ तथा अन्य फसलों को भी नुकसान हुआ है। तेज बिजली चमकने और मौसम के अचानक बदलाव से आम की फसल और सब्जियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। किसानों का कहना है कि यदि इसी तरह मौसम बना रहा तो तैयार फसलों को और अधिक नुकसान हो सकता है। किसानों मन्नु परते, संतोष यादव, मनोज यादव एवं लड्डू उईके ने बताया कि चिचोली ब्लॉक के मांगारोडी, सिपलाई, खैरी बारंगबाड़ी, पाठाखेड़ा, मलाजपुर, निवारी सहित कई गांवों में भारी बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं चिचोली से सटे शाहपुर ब्लॉक के केसिया एवं कान्हेगांव क्षेत्र में भी अधिक बारिश तेज हवा के कारण गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। तेज हवा से फसल आड़ी हो गई खेतों में काटकर फसल भी खराब हो गई है। किसानों ने शासन-प्रशासन से फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की गई है।

शक्ति आराधना में डूबे श्रद्धालु

नवरात्रि की भक्ति चरम पर

- शंकर नगर के श्री माता मंदिर में 98 ज्योतों के साथ विशेष पूजन
- 17 माह से हनुमान जी के सामने जल रही अखंड ज्योत भी बनी आकर्षण का केंद्र

अनोखा तीर, बैतूल।

चैत्र नवरात्रि शुरू होते ही शहर पूरी तरह मां दुर्गा की भक्ति में डूब गया है। मंदिरों में सुबह से लेकर रात तक भक्तों की भीड़ उमड़ रही है और हर ओर धार्मिक वातावरण दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु अखंड ज्योत जलाकर मां दुर्गा के चरणों में अपनी मनोकामना की अर्जी लगा रहे हैं, वहीं मंदिरों में रोजाना महाआरती, विशेष पूजन और माता के श्रृंगार से भक्ति का माहौल और अधिक गहरा हो गया है। नवरात्रि के पहले दिन पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन कर ज्योत स्थापना करवाई गई, जिसके बाद से मंदिरों में लगातार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। हर शाम महाआरती के समय विशेष भीड़ देखी जा रही है और पूरा माहौल जय माता दी के जयकारों से गूंज रहा है। इसी क्रम में शहर के शंकर नगर स्थित श्री माता मंदिर में भी नवरात्रि का शुभारंभ बेहद उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। यहां 98 अखंड ज्योतें प्रज्वलित की गई, जिनमें 75 ज्योतें तेल की और 23 ज्योतें घी की जलाई गई। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विधि-विधान से पूजन कर अखंड ज्योत की स्थापना करवाई। नवरात्रि के प्रथम दिवस का विशेष श्रृंगार जगमोहन खंडेलवाल परिवार की ओर से माता को भेंट किया गया, जबकि प्रतिदिन अलग-अलग जजमानों द्वारा पीठ पूजन कराया जा रहा है। मंदिर में हनुमान जी के सामने विगत 17 महीनों से अखंड ज्योत निरंतर जल रही है, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पूरे मंदिर परिसर को भी बेहद सुंदर तरीके से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। पहले दिन राजेश करोले परिवार की ओर से माता जी को 21 किलो प्रसादी का भोग लगाया गया और प्रतिदिन महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि के चलते पूरा शहर भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आ रहा है। मंदिरों में उमड़ रही भीड़ और अखंड ज्योतों की रोशनी ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया है और श्रद्धालु मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और शांति की कामना कर रहे हैं।

सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायत

- 2 रोपणियों में फर्जी बिल, घटिया निर्माण और नियम विरूद्ध प्रभार देने का आरोप, जांच की मांग

अनोखा तीर, बैतूल।

जिले के सामाजिक वानिकी वृत्त में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष तथा सिंधिया फैंस क्लब बैतूल के जिला अध्यक्ष दिनेश यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख मध्यप्रदेश भोपाल को शिकायत पत्र प्रेषित कर सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल की विभिन्न रोपणियों में गंभीर अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की है। दिनेश यादव ने शिकायत में बताया कि सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल में नियमों के विरूद्ध कार्यवाहक एसडीओ जमाल सिंह धारवे को डीडीओ का प्रभार दिया गया है, जबकि यह प्रभार वरिष्ठ एसडीओ को दिया जाना चाहिए था।

इसके अलावा कार्यवाहक उपवनक्षेत्रपालों को वन क्षेत्रपाल का प्रभार दिया गया है, जो शासन के नियमों के विपरीत है और इससे वित्तीय अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है। शिकायत में आरोग्य वाटिका रोपणी में सागौन के पेड़ निर्धारित संख्या से कम बनाने, पॉलीथिन भराई में गोबर खाद और कीटनाशक का उपयोग नहीं करने, घटिया मिट्टी भरने और वनरक्षक नाका निर्माण में घटिया सामग्री उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। नीमपानी रोपणी में डब्ल्यूबीएम रोड निर्माण केवल कागजों में दिखाने, पॉलीथिन भराई में फर्जी बिल लगाने तथा सागवानी रोपणी में भवन मरम्मत कार्य केवल कागजों में दर्शाने और जेसीबी मशीन से कार्य कराकर फर्जी मजदूरों के नाम से भुगतान करने की शिकायत भी की गई है। इसके साथ ही सापना और गजाल रोपणियों में भी मशीन से मार्ग निर्माण कर राशि फर्जी श्रमिकों के नाम से निकालने, पॉलीथिन भराई में गोबर खाद और कीटनाशक का उपयोग नहीं करने और फर्जी बिलों के माध्यम से राशि आहरित करने का आरोप लगाया गया है।

ओलावृष्टि से तबाह फसलों पर तुरंत मुआवजा दे सरकार : निलय डागा

- प्रभावित गांवों का तत्काल सर्वे और 10 दिन में राहत राशि देने की मांग

अनोखा तीर, बैतूल। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा ने मुलताई सहित जिले में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से तबाह हुई फसलों को लेकर सरकार से तुरंत मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि से कई गांवों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है, राहत देने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से बिना समय गंवाए प्रभावित गांवों का सर्वे शुरू करने और सर्वे पूरा होने के बाद 10 दिन के भीतर किसानों को राहत राशि देने की मांग की है। निलय डागा ने कहा कि अचानक बदले मौसम और ठंडी हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। जिले में कई जगह फसल पूरी तरह खराब हो गई है, जबकि कई खेतों में फसल गिरकर बर्बाद हो चुकी है। गुरूवार रात बैतूल के आसपास के क्षेत्रों में भी हुई बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा झटका दिया है। सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि हर साल आपदा के समय किसानों को आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जमीन पर राहत नहीं मिलती। उन्होंने मांग की कि जिन गांवों में फसल को नुकसान हुआ है, वहां तुरंत सर्वे टीम भेजी जाए और राहत प्रक्रिया में देरी न हो। निलय डागा ने विशेष राहत पैकेज के तहत प्रभावित किसानों को आपदा राहत देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लंबित क्लेम का 15 दिन के भीतर निपटारा करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की 50 प्रतिशत से अधिक फसल खराब हुई है, उन्हें अतिरिक्त विशेष राहत पैकेज स्वीकृत किया जाए।

विशाल महारुद्र यज्ञ शुरू, कलश यात्रा निकाली

अनोखा तीर, खातेगांव। हनुमान मंदिर ग्राम भवरस में विशाल महारुद्र यज्ञ 19 मार्च से प्रारंभ किया गया सर्वप्रथम नगर में हनुमान मंदिर से एक विशाल कलश यात्रा निकल गई हिंदू नव वर्ष चैत्र नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर विशाल महारुद्र यज्ञ का आयोजन ग्राम में किया जा रहा है।

कलश यात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गो से निकली बड़ी संख्या में मातृ शक्तियों ने सिर पर मंगल कलश लिए मंगल गीत गाते हुए कलश यात्रा में शामिल हुई। यज्ञ के यजमान डॉ सुरेश मीणा, रामविलास जायसवाल, रामनिवास जायसवाल, डॉ. कमलेश मीणा, पदम मीणा, डॉ. बीजेश मीणा, मुकेश मीणा, संजय मीणा, बलराम मीणा, अरविंद जायसवाल, राजेश जायसवाल, आनंद जायसवाल, ने बताया कि प्रतिदिन रात्रि में भी विभिन्न धार्मिक आयोजन चल रहे हैं। विशाल महारुद्र यज्ञ का समापन एवं पूर्ण आहुति 27 मार्च को होगी, इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। क्षेत्र के समस्त धर्म प्रेमी महानुभावों से अपील की जाती है कि विशाल यज्ञ में शामिल होकर जीवन सफल बनाएं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

- खुजली एवं अन्य बीमारियों से प्रभावित मरीजों के उपचार की ली जानकारी

अनोखा तीर, बैतूल।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने 20 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी से नदारद पाए गए, जिन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किए गए है। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र धाकड़ 20 मार्च को अनुपस्थित मिले, जबकि डॉ. रवि अधिकारी 17, 18 एवं 20 मार्च को ड्यूटी से गैरहाजिर पाए गए। इसके अलावा संविदा विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइजर श्रीमती अर्चना खातरकर भी 20 मार्च को अनुपस्थित रहीं। वहीं फार्मासिस्ट धनराज डोंगरे हाजिरी पंजी में हस्ताक्षर करने के बावजूद ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। इन सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को कार्यालय द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने कि स्थिति में उनके विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने ग्राम दानवाखेड़ा में खुजली एवं अन्य बीमारियों से प्रभावित मरीजों के उपचार की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने भर्ती मरीजों के उपचार एवं देखभाल को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में ग्राम दानवाखेड़ा के कुल 6 मरीज मंगल पिता सेखलाल उम्र 38, कस्तूरी पति मंगल उम्र 35, सतीश पिता मंगल उम्र 04, मुन्नी पिता मंगल उम्र 08, रीना पिता मंगल उम्र 06 और गीता पिता मंगल सेलुकर उम्र 3 माह उपचार के लिए भर्ती है। सभी मरीज खुजली की बीमारी से ग्रसित हैं, जिनकी स्थिति सामान्य है। इसके अलावा उन्होंने ओपीडी, एएनसी एवं पीएनसी वार्ड का निरीक्षण कर अन्य मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की स्थिति सामान्य पाई गई।

राहगीरों के कंठ को शीतल जल से करेंगे तृप्त

अनोखा तीर, खातेगांव। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए नगर परिषद खाते गांव द्वारा विधायक आशीष शर्मा के द्वारा फीता काटकर स्थानीय बस स्टैंड पर पानी की प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि राहगीरों की प्यास बुझाना पुण्य का कार्य माना गया है। जल जीवन का आधार है जिस प्रकार ऑक्सीजन के बिना

जीवन संभव नहीं है, उसी प्रकार जल के बिना अस्तित्व संभव नहीं है पानी को सिर्फ बचाया जा सकता है, इसका सभी को सदुपयोग करना चाहिए, पानी के अपव्यय से बचना चाहिए। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी ने बताया कि 8 स्थानों पर पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था परिषद द्वारा की जा रही है। शीघ्र ही बस स्टैंड पर एक इलेक्ट्रॉनिक ठंडा फ्रीजर भी हम जन सहयोग से लगाने जा रहे हैं। प्याऊ शुभारंभ के अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, नप उपाध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश रावड़िया, विधानसभा भाजपा के प्रभारी वीरेंद्र राजावत पार्षद गोविंद गोरा, मुकेश गिरि, दीपक पटेल, शेखर अग्रवाल, सूरज यादव, पंकज पटेल, राकेश पवार सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधायक ने ग्राम बेहड़ी में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन

14 गांवों को मिलेगी बेहतर विद्युत आपूर्ति

अनोखा तीर, सारनी। ग्राम बेहड़ी में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने 20 मार्च को 33/11 केव्ही 5 एमव्हीए विद्युत उपकेंद्र का भूमि पूजन किया। इस उपकेंद्र की लागत 2.50 करोड़ रुपए है और इसकी क्षमता 5 एमव्हीए है। इस उपकेंद्र से 3 नंबर पंप कृषि फीडर और 1 नंबर घरेलू फीडर के माध्यम से लगभग 14 गांवों को विद्युत आपूर्ति की जाएगी, जिनमें बेहड़ी, बारंगवाड़ी, मंगारा, कोठिया, चिखलार, नरेरा, मुवारिया, गजाढाना, रेंगाढाना, सरेकाडोल, भुमकाढाना, भुड़काल ढाना, मोहन ढाना और जमदेही कला शामिल हैं। इस अवसर पर आमला विधायक डॉ पंडाग्रे ने कहा कि इस उपकेंद्र से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और ग्रामीणों को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी। कार्यक्रम में नरेंद्र गड़ेकर, सतीश हारोड़े, यशवंत यादव, महेश मर्सकोले, अशोक नागले, जनपद सदस्य श्रीमती सीमा रतन धुर्वे, रवि सूर्यवंशी, माखन उईके, मनोज विश्वकर्मा, भररु यादव और विद्युत विभाग के एई श्री डोंगरे, जेई श्री चंदेलकर, डीई श्री बुसारे सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

जल गंगा अभियान की शुरुआत, तालाब पर की सफाई

अनोखा तीर, सतवास। स्थानीय नगर परिषद में शुक्रवार को मप्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल गंगा सवर्धन अभियान का शुभारंभ हुआ। जिसके अंतर्गत नगर परिषद द्वारा कन्नौद रोड स्थित बजरंग मंदिर के पास स्थित तालाब पर सफाई अभियान चलाया गया। अभियान की शुरूआत नपाध्यक्ष श्रीमती बलजीतकौर सतनाम सिंघ बग्गा व नपा सीएमओ सतीश घावरी ने तालाब घाट पर सफाई कर श्रमदान से की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में नगर के सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जागरूक सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर जल स्त्रोतों को दूषित होने से बचाने के उपायों पर चर्चा हुई एवं लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर परिषद पार्षदगण, सहायक राजस्व निरीक्षक संतोष मालाकार व विजय जोशी नगर परिषद के सफाई कर्मचारी व स्थानिय नागरिक मौजूद रहे। बताया गया कि यह अभियान 30 जून जक चलेगा। जिसमें नगरीय निकाय के अन्य तालाब, बावड़ी, कुओं तथा नालो का जिर्णोद्धार का लक्ष्य रखा गया है। सभी संरक्षण किया जाने की कार्ययोजना भी तैयार की जानी है।

अभा ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न

अनोखा तीर, देवास। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ की एक अति आवश्यक बैठक महासंघ अध्यक्ष दिनेश मिश्रा की अध्यक्षता एवं समस्त वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में आयोजित की गई, जिसमें सर्वानुमति से यह निर्णय लिया गया कि 19 अप्रैल, रविवार को अक्षय तृतीया पर राजराजेश्वर भगवान परशुराम जी के प्रकट उत्सव पर हवन, पूजन, आरती राजराजेश्वर भगवान परशुराम वाटिका गंगानगर में की जाएगी एवं 26 अप्रैल रविवार को शाम 5.30 बजे भव्य शौर्य यात्रा निकाली जाएगी, जो कि सयाजी द्वार सिद्धि विनायक मंदिर लाल गेट के राजा के यहां से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई जवाहर चौक विक्रम सभा भवन पहुंचेगी, जहां पर यात्रा का समापन किया जाएगा। समापन के पश्चात समस्त ब्राह्मण बंधुओं का स्नेह भोज रहेगा। समाज के वरिष्ठ ओपी तिवारी, ओपी दुबे, संजय शुक्ला, प्रयास गौतम, महेंद्र उपाध्याय, घनश्याम पंडित, दिनेश भारद्वाज, सुदर्शन दुबे ने यात्रा को लेकर विभिन्न प्रकार के सुझाव दिए। कोषाध्यक्ष सतीश दुबे ने वर्ष भर का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संचालन महामंत्री महेंद्र व्यास ने किया, आभार महामंत्री डॉ. रितेश शर्मा ने माना। इस अवसर पर महिला संघ अध्यक्ष यशोदा शर्मा, आशा शर्मा, युवा संघ जिला अध्यक्ष छोटू पांडे, नगर अध्यक्ष विमल शर्मा, शंकर लाल शर्मा, मधुसूदन शर्मा, अशोक चौधरी, महेंद्र स्थापक, आकाश अवस्थी, जगदीश कानूनगो, आदित्य दुबे, अमिताभ शुक्ला, आरपी मिश्रा, सिद्धार्थ अवस्थी, मयंक उपाध्याय, मंगेश शर्मा, प्रवीण शर्मा, श्याम पेशकार, कमलेश शर्मा, नयन कानूनगो, रोहन कानूनगो, समाधान गौतम, रोहित उपाध्याय आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी रोहित उपाध्याय ने दी।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पासपोर्ट क्र. C8897223 में मेरा नाम NEPALA दर्ज है, परन्तु मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड आदि दस्तावेजों में मेरा नाम NEPAL DAS (नेपाल दास) है, जो सत्य एवं सही है। अतः भविष्य में मुझे मेरे नाम NEPAL DAS (नेपाल दास) से ही जाना जाए।

नेपाल दास, ग्राम पहाड़पुर, शक्तिनगर, तह. घोड़ाडोंगरी, जिला-बैतूल म.प्र.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

सार-समाचार

धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई श्री झूलेलाल जयंती

अनोखा तीर, हरदा। शहर में श्री झूलेलाल जयंती का पर्व इस वर्ष भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। सिंधी समाज द्वारा इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8.30 बजे झूलेलाल मंदिर परिसर में महाआरती, कीर्तन एवं प्रसाद वितरण के साथ हुई। इसके पश्चात सुबह 11 बजे 'भोग साहिब' का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक भंडारा (लंगर) आयोजित किया गया, जिसमें शहरभर से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम 5 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रमों की श्रृंखला में रात 8 बजे युवाओं द्वारा फ्री व्यंजन मेले का आयोजन किया गया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया। पूरे दिन शहर में भक्तिमय और उत्सव का माहौल बना रहा।

शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में लगी आग

अनोखा तीर, मसनगांव। समीपस्थ ग्राम केलनपुर में दो किसानों के खेत में बिजली के तारों से निकली चिंगारी के कारण गेहूं की फसल में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राम के किसान उमेश राजपूत और भारत

लखोर के खेत में बिजली के तार टकराने से हुए शॉर्ट सर्किट के कारण करीब 3 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। खेत में लगी आग को बुझाने के लिए ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने ट्रैक्टर से खेतों को बखरकर आग पर काबू पाया। आग बुझाने के लिए हरदा से दमकल भी पहुंची।

धनगांव के पास बड़ा हादसा टला

बाइक को बचाने में अनियंत्रित हुआ डंपर, पुलिया से टकराकर लटका

अनोखा तीर, रहटगांव। रहटगांव तहसील क्षेत्र के अंतर्गत धनगांव के पास बड़ी नहर पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, एक डंपर चालक सामने अचानक आए बाइक सवार को बचाने की कोशिश में वाहन से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित डंपर सीधे पुलिया से

टकरा गया और उसका आधा हिस्सा नहर की ओर लटक गया। गनीमत रही कि डंपर पूरी तरह नीचे नहीं गिरा, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि डंपर को नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग और प्रशासन मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया गया।

तेज आंधी के साथ आंवले आकार के गिरे ओले

गेहूं की खड़ी फसल को नुकसान

अनोखा तीर, हंडिया।

शुक्रवार शाम करीब 4 बजे हंडिया क्षेत्र में तेज हवा के साथ अचानक आंवले के आकार के ओले गिरे, जिससे खेतों में खड़ी गेहूं की फसलों को काफी नुकसान हुआ है।

हंडिया में करीब आधा घंटे तक बारिश और ओलावृष्टि होती रही, जिससे जमीन पर ओलों की चादर बिछ गई। इस दौरान कुछ समय के लिए जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया।

कुछ गांव के बुजुर्गों का कहना है कि कई सालों बाद गांव में इस तरह गार-पत्थर (ओले) गिरते देखे गए हैं। हंडिया में हुई ओलावृष्टि और बारिश के कारण खेत-खलिहानों में रखा गेहूं भी भीग गया, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर हंडिया के आसपास तेज बारिश और आंधी के कारण कई झोपड़ियां उड़ गईं, जिससे उनमें रखा खाने-पीने का सामान भी भीग गया। कुछ किसानों के खेतों में कटाई कर रखे गए गेहूं के पूले भी भीग गए हैं, जिससे नुकसान और बढ़ गया है।

गणगौर महोत्सव का समापन...

रनूबाई-धनियर राजा को नम आंखों से दी विदाई

-श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजों की धुन पर किया नृत्य, अजनाल नदी पर किया ज्वारों का विसर्जन

अनोखा तीर, हरदा।

जिले में नौ दिवसीय गणगौर महोत्सव का शुक्रवार को समापन हो गया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक गणगौर गीत गाकर मां रनूबाई को भावुक विदाई दी। विदाई के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। वैशाख मास में मनाए गए इस महोत्सव के अंतिम दिन हजारों श्रद्धालु गणगौर स्थल पर एकत्र हुए। उन्होंने बेटी स्वरूपा रनूबाई और जंवाई स्वरूप धणियर राजा को भावुक मन से विदाई दी। माता रानी का पंडाल श्रद्धालुओं से भरा रहा, जहां रनूबाई, धणियर और ज्वारों के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। महोत्सव के समापन पर परिवार के सदस्यों द्वारा गणगौर की विदाई की गई। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए नदी तक एक विदाई जुलूस निकाला गया, जिसके बाद ज्वारों का विसर्जन किया गया। शहर के मुख्य मार्गों से निकले चल समारोह में श्रद्धालुओं ने बैंड-बाजों की धुन पर नृत्य किया और झालरें सजाईं। उन्होंने माता रनूबाई के रथ की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने धणियर राजा के साथ माता को सुख-समृद्धि का प्रतीक मानते हुए पूजा की।

महोत्सव के नौ दिनों तक रात्रिकालीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। विभिन्न मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया। लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी प्रस्तुतियां इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहीं।

महोत्सव की समाप्ति पर अजनाल नदी के पेड़ीघाट पर विधि-विधान से ज्वारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भावुक हो उठे और धणियर राजा तथा रनूबाई से अगले वर्ष फिर पधारने की प्रार्थना करते दिखाई दिए।

आज मनेगा ईद उल फितर का त्यौहार

ईदगाह सहित अन्य मस्जिदों में होगी विशेष नमाज

अनोखा तीर, हरदा। रमजान के बाद हर मुसलमान चाँद को निहारकर अपना उपवास यानी रोज़ा खोलता है। इस त्यौहार को हम ईद-उल-फितर के नाम से जानते हैं। हरदा जिले में भी देश और दुनिया के साथ चांद दिखा। मगरीब नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय ने एक दूसरे को चांद की मुबारकबाद देते हुए अपने रब का शुक्रिया अदा किया। चांद नजर आने के साथ खुशीयों का ठिकाना नहीं रहा। सभी एक दूसरे को ईद मुबारक देते नजर आए। ईद का त्यौहार रमज़ान के आखिरी में मनाया जाता है। रमज़ान इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार नवा महीना होता है। यह पूरा महीना प्रार्थना, भोजन और एक दूसरे से मिलने का एक पारम्परिक त्यौहार है। ईद के दिन में सवेरे पहले नहाना और नए कपड़े पहनकर हर मुसलमान तैयार हो जाता है। मस्जिद जाने से पहले इत्र लगाते हैं और मस्जिद जाने से पहले खजूर खाते हैं। पुरुष सफ़ेद रंग के पोषाक पहनते हैं, जिसे हम कुर्ता-पजामा कहते हैं। फिर सभी पुरुष मिलकर ईदगाह या मस्जिद की और जाते हैं, जहां सब एक साथ नमाज अदा करते हैं और अल्लाह से अपने और अपने परिवार की सलामती की दुआ मांगते हैं। नमाज़ से पहले लोग गरीबों को कुछ आवश्यक चीजें दान दक्षिणा में देते हैं। नमाज़ अदा करने के पश्चात लोग एक दूसरे के गले-मिलते हैं और खुशियां मानते हैं।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में हुए रंगारंग-सांस्कृतिक कार्यक्रम

-मातृ शक्ति संगम शौर्य दिवस का भव्य आयोजन

अनोखा तीर, हरदा। स्थानीय राजपूत छात्रावास में राजपूत महिलाओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संचालक श्रीमती जयंती चौहान ने बताया कि प्रतिवर्ष महिला दिवस के उपलक्ष्य में मातृशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। यह इस आयोजन का 11वां वर्ष था। इस वर्ष रानी पद्मिनी के जौहर को दृष्टिगत रखते हुए शौर्य दिवस मनाया गया, जिसके अंतर्गत भारत की महान नारियों की महिमा का चित्रण किया गया। उन्होंने बताया कि वैदिक काल, ऐतिहासिक काल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक महान क्षत्राणियां हुई हैं, जिन्होंने अपने प्रेम, त्याग, तपस्या और बलिदान से इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया है। किंतु कार्यक्रम की लघु समयावधि को देखते हुए सभी का चित्रण संभव नहीं था, इसलिए कुछ महान विभूतियों को ही सांस्कृतिक प्रस्तुति में समाहित किया गया।

इनमें माता महालक्ष्मी, मां सरस्वती, मां काली सहित नौ देवियों का चित्रण किया गया। रानी पद्मिनी, जिन्होंने 16000 रानियों के साथ जौहर किया था, का चित्रांकन किया गया। हाड़ी रानी, जिन्होंने अपने पति को राष्ट्रधर्म की शिक्षा देने के लिए अपना शीश स्वयं काटकर थाल में सजा दिया था, का चित्रण किया गया। सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार कर भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने वाली महारानी अहिल्यादेवी होल्कर का सजीव चित्रण किया गया। मीराबाई, जिन्होंने अपने प्रेम और भक्ति से श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व समर्पित किया, का भी चित्रण किया गया। रानी लक्ष्मीबाई, जिन्होंने अपनी वीरता से अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए, का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। समस्त सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एक लघु नृत्य-नाटिका के रूप में प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ बालिकाओं द्वारा गणपति वंदना एवं देवी आराधना से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सलोनी जैन एवं श्रीमती पूजा पांडा ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समस्त कार्यक्रम महिला विकास समिति, राजपूत परिषद हरदा के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जबकि सह-संयोजक के रूप में महाराणा सेना ने सहभागिता निभाई। समिति के संरक्षक श्रीमती सुलोचना मौर्य, श्रीमती शकुंतला गहलोत, श्रीमती सुभद्रा गहलोत, श्रीमती मीना मौर्य, श्रीमती सुषमा पवार, श्रीमती अंजू सुरमा एवं अध्यक्ष श्रीमती ममता चंदेल, जिला अध्यक्ष रानू पटेल तथा मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर एवं मां सरस्वती और महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।